हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 65 | जौनपुर, गुरुवार 30 नवम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

सपा का काम अफवाहें फैलाना : उप मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेन्सी)। डेंगू पूरी तरह से काबू में है। हमें डेंगू सहित सभी बीमारियों की गंभीरता का अंदाजा है। स्वास्थ्य महकमा प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को उच्च कोटि की चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध करा रहा है। साल 2017 से पहले अस्पतालों की जो हालत थी, विपक्ष को उसकी तुलना आज की तस्वीर से करनी चाहिए। आज का न्यू उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर है। बुधवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सदन में कहा कि वर्ष 2017 से पहले किसी सरकार ने संचारी रोग अभियान को लेकर कोई कदम नहीं उठाया था। हमारी सरकार ने 13 विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर प्रदेश में साल भर में तीन बार व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर बीमारियों पर काबू पाया। विपक्ष को प्रदेश की भौगोलिक स्थिति, संचारी रोग अभियान, विकास कार्यों की कोई जानकारी नहीं है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि शोर मचाना और नियमों का उल्लंघन करना समाजवादी पार्टी के डीएनए में है।

योगी सरकार ने 28 हजार 760 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया, नई योजनाओं के लिए दिए साढ़े सात हजार करोड़

लखनऊ (एजेन्सी)। यूपी विधानमंडल सत्र के दूसरे दिन वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2023– 24 का अनुपूरक बजट पेश किया। 28,760.67 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया। इसमें 1946.39 करोड़ रुपये राजस्व खर्च के लिए और 9714 करोड़ रुपये पूंजी खर्च के लिए रखे गए हैं। नई योजनाओं के लिए 7421.21 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है। अनुपूरक बजट को लेकर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश के चतुर्मुखी विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। .विभिन्न कार्य योजनाओं को हम पूरा करेंगे.। अनुपूरक बजट में की गई घोषणाएं :– योगी सरकार ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लिए 2000 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की है। पीएम मित्र योजना के अंतर्गत लखनऊ–हरदोई में पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र एवं परिधान पार्क की स्थापना के लिए 510 करोड़ रुपये देने की घोषणा की गई है। उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर नीति के क्रियान्वयन के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी विधानसभा में प्रदेश में डेंगू की रोकथाम को लेकर किए जा रहे उपायों पर कहा कि सरकार डेंगू सहित अन्य संक्रमित बीमारियों की रोकथाम के लिए सभी जरूरी इंतजाम कर रही है। सरकार द्वारा अंतर्विभागीय समन्वय के माध्यम से संचारी रोगों की रोकथाम के लिए काम किए जा रहे हैं। जलजनित या विषाणु जनित रोगों के निवारण के लिए प्रतिवर्ष तीन माह डोर टु डोर अभियान चलाया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अलग–अलग क्षेत्रों में अलग–अलग बीमारियां देखने को मिलती है। बरेली और बदायुं में मलेरिया, बिहार से लगे इलाकों मे कालाजार जैसी बीमारियों का प्रकोप देखने को मिलता है। सरकार द्वारा इनके रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाये जाते हैं। आज ब्लड सेपरेटर यूनिट द्वारा ब्लड चढ़ाया जाता है और हम प्लेटलेट्स की अतिरिक्त आपूर्ति भी करते हैं। सरकार द्वारा डेंगू सहित संचारी रोगों की रोकथाम के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के प्राइवेट अस्पतालों को बढ़ावा देने के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्रदेश में आयुष्मान योजना और मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना से लाखों लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। सदन की कार्रवाई में सवाल जवाब के दौरान बिजली के मुद्दे पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव में बहस हो गई। अखिलेश के सवाल पर उप मुख्यमंत्री बोले, यूपी में अब 24 घंटे बिजली आती है जिस पर अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री को बिजली की चिंता कब से होने लगी। इस दौरान सदन में जोरदार हंगामा हुआ। अखिलेश यादव ने कहा कि योगी सरकार ने अपने कार्यकाल में प्रदेश में अब तक एक भी पावर हाउस नहीं खोला है। उन्होंने उप मुख्यमंत्री से कहा कि जब डेंगू की बात आएगी तो आपसे सवाल करेंगे आपको बिजली की चिंता नहीं होनी चाहिए।

CAA को लेकर शाह ने फिर भरी हुंकार, बोले इसे कोई नहीं रोक सकता, हम लागू करेंगे

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को घोषणा की कि नरेंद्र मोदी सरकार नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू करेगी और इसे कोई नहीं रोक सकता। पार्टी के लोकसभा अभियान की शुरुआत करने के लिए कोलकाता में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य में घुसपैठ रोकने में असमर्थ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में घुसपैठियों को वोटर और आधार कार्ड खुलेआम और अवैध तरीके से बांटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में इतनी घुसपैठ होती है, क्या वहां विकास होगा?.. इसलिए ममता बनर्जी CAA का विरोध कर रही हैं... लेकिन मैं कहूंगा कि CAA देश का कानून है, और इसे कोई नहीं रोक सकता... हम इसे लागू करेंगे। 2020 में संसद द्वारा पारित, सीएए 2015 से पहले अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से भारत में प्रवेश करने वाले धार्मिक अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करता है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) जोर देकर कहती है कि सीएए असंवैधानिक है और यह मुसलमानों को बाहर करता है और एक धर्मनिरपेक्ष देश में नागरिकता को आस्था से जोड़ता है। केंद्र ने पहले कहा था कि वह सीएए के लिए कानून बनाने की प्रक्रिया में है। रविवार को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने कहा था कि सीएए के नियम 30 मार्च 2024 तक तैयार कर लिए जाएंगे। बुधवार को, शाह ने एस्प्लेनेड में अपने संबोधन के दौरान आरोप लगाया कि बनर्जी की सरकार ने कम्युनिस्टों के साथ मिलकर बंगाल राज्य को बर्बाद कर दिया।

अर्नोल्ड डिक्स ने बचाव अभियान को बताया चमत्कार

नई दिल्ली (एजेन्सी)। उत्तरकाशी बचाव अभियान में शामिल किए गए अंतर्राष्ट्रीय सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स ने बुधवार को कहा कि मिशन में एक चमत्कार हुआ और वह मंदिर जाएंगे क्योंकि जब ऑपरेशन चल रहा था तो उन्होंने मंदिर में धन्यवाद कहने का वादा किया था। कुछ घंटों बाद, डिक्स को स्थानीय देवता बाबा बौखनाग जी के मंदिर में प्रार्थना करते देखा गया। अर्नोल्ड डिक्स जिनेवा स्थित इंटरनेशनल टनलिंग अंडरग्राउंड स्पेस एसोसिएशन के प्रमुख हैं और एक भूविज्ञानी, एक इंजीनियर और एक वकील भी हैं। डिक्स ने कहा, ष्एक माता–पिता के रूप में यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैं अपने बच्चों को घर वापस लाने में सभी माता–पिता की मदद कर रहा हूं। याद रखें, मैंने शुरुआत में कहा था कि 41 लोग क्रिसमस तक सुरक्षित घर लौट जाएंगे। क्रिसमस जल्दी आ रहा है।

लोकसभा चुनाव की तैयारी, 5 साल के लिए बढ़ी मुफ्त राशन योजना

केंद्र सरकार ने (पीएमजीकेएवाई) योजना को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाया, इसे 1 जनवरी 2024 से लागू किया जाएगा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्र सरकार ने बुधवार को 81 करोड़ गरीबों को प्रति माह 5 किलोग्राम मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) योजना को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया। इसे 1 जनवरी 2024 से लागू किया जाएगा। इस योजना के तहत, केंद्र 1 जनवरी 2023 से शुरू होने वाली एक वर्ष की अवधि के लिए पीएमजीकेएवाई के तहत अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) परिवारों और प्राथमिकता वाले परिवारों (पीएचएच) लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध करा रहा है। पिछले साल दिसंबर में, केंद्र ने पीएमजीकेएवाई को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के साथ विलय करने का निर्णय लिया। अतिरिक्त खाद्यान्न निःशुल्क उपलब्ध कराने के लिए 2020 में PMGKAY की शुरुआत की गई थी। एनएफएसए के तहत, 75 प्रतिशत ग्रामीण आबादी और 50 प्रतिशत शहरी आबादी को दो श्रेणियों – अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) और प्राथमिकता वाले घरों के तहत कवर किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में करीब 13.50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को अगले 5 साल के लिए बढ़ाने का फैसला किया गया है इससे 81 करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा इसमें 11 लाख 80 हजार करोड़ रुपए का खर्च भारत सरकार करेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन उपलब्ध कराने के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना को मंजूरी दे दी। कृषि उपयोग के लिए किसानों को किराये की सेवाएं प्रदान करने के लिए 2023–24 से 2025–2026 के दौरान 15,000 चयनित महिला एसएचजी को ड्रोन प्रदान किए जाएंगे। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना भारत में कोविड–19 महामारी के दौरान 26 मार्च 2020 को भारत सरकार द्वारा घोषित एक खाद्य सुरक्षा कल्याण योजना है। यह कार्यक्रम उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। लेकिन नोडल मंत्रालय वित्त मंत्रालय है। केंद्र की मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को 1 जनवरी 2024 से अगले 5 वर्षों के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। 2024 चुनाव से पहले केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार का यह बड़ा फैसला है। इस फैसले से 81 करोड लोगों को मुफ्त में अनाज अगले 5 सालों तक मिलती रहेगी और कहीं ना कहीं इसका चुनाव पर भी एक बड़ा असर पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को अगले 5 साल के लिए बढ़ाने का फैसला किया गया है...इससे 81 करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा।

राहुल और प्रियंका का डांस वाला वीडियो वायरल, हिमंत बिस्वा सरमा ने कसा तंज

नई दिल्ली (एजेन्सी)। एक वीडियो में राहुल और प्रियंका गांधी को एक राजनीतिक गाने पर नाचते हुए दिखाए जाने के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर सरमा ने कहा, ष्कल, एक चिंतित राष्ट्र प्रार्थनाओं में डूबा हुआ था और उत्तराखंड के हमारे श्रमिकों की सुरक्षा का इंतजार कर रहा था, एक परिवार हमेशा की तरह मौज–मस्ती–गायन और नृत्य में व्यस्त था।ष असम के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि चाहे वह 26द्11 हो या कोई अन्य महत्वपूर्ण अवसर – यह हमेशा परिवार के लिए सबसे पहले मनोरंजन होता है। राहुल और प्रियंका समेत कांग्रेस पार्टी के नेताओं को दिखाने वाला यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। यह तब सामने आया जब उत्तरकाशी में 41 श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान चल रहा था। बाद में मंगलवार को केंद्र की महत्वाकांक्षी चार धाम परियोजना का हिस्सा सिल्कयारा सुरंग का एक हिस्सा 12 नवंबर को भूस्खलन के कारण ढह जाने के बाद फंस गए सभी 41 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अधिक चिकित्सीय जांच के लिए उन्हें हवाई मार्ग से एम्स–ऋषिकेश ले जाया गया।

मुंबई के पूर्व मेयर दत्ता दलवी गिरफ्तार

मुंबई (एजेन्सी)। मुंबई के पूर्व मेयर और प्रमुख शिवसेना नेता दत्ता दलवी को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह गिरफ्तारी मुख्यमंत्री के समर्थकों द्वारा दायर एक शिकायत के बाद हुई, जिन्होंने आरोप लगाया था कि दलवी ने भांडुप में एक सार्वजनिक सभा के दौरान अपमानजनक टिप्पणी की थी। दलवी के खिलाफ 153 (ए) (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा, आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 153 (बी) (राष्ट्रीय एकता के लिए प्रतिकूल आरोप, दावे), 294 (अश्लील कृत्य और गाने) और 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान) सहित विभिन्न भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

अमित शाह बोले कम्युनिस्ट और ममता ने मिलकर बंगाल को किया बर्बाद

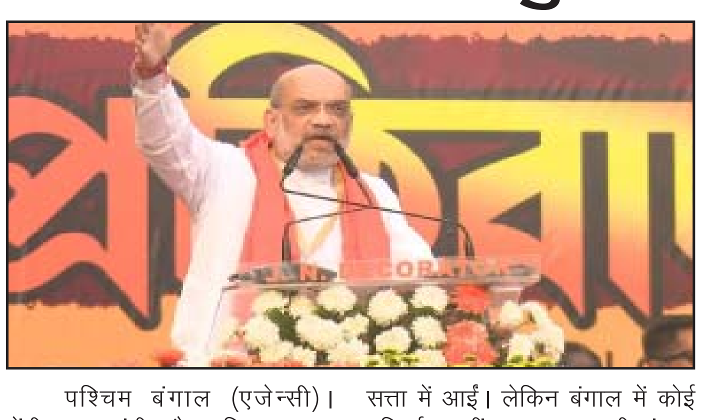

कोलकाता में प्रतिवाद सभा को संबोधित किया, इस दौरान अमित शाह ने ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर जमकर निशाना साधा

पश्चिम बंगाल (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह आज पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं। उन्होंने कोलकाता में प्रतिवाद सभा को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि सोनार बांगला और मां माटी मानुष के नारे के साथ कम्युनिस्टों को हटाकर ममता दीदी सत्ता में आईं। लेकिन बंगाल में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। आज भी बंगाल में घुसपैठ, तुष्टिकरण, राजनीतिक हिंसा, भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि मैं आज आह्वान करने आया हूं, अगर 2026 में यहां भाजपा सरकार बनानी है, तो इसकी नींव 2024 के लोकसभा चुनाव में डाल कर मोदी जी को देश का प्रधानमंत्री बनाइए। अमित शाह ने कहा कि 27 साल बंगाल में कम्युनिस्टों का शासन रहा, तीसरे टर्म में ममता बनर्जी की सरकार बनी। दोनों ने मिलकर बंगाल को बर्बाद कर दिया। पूरे देश में चुनावी हिंसा सबसे ज्यादा बंगाल में होती है। ममता बनर्जी बंगाल में घुसपैठ को रोक नहीं पाई हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खुलेआम घुसपैठियों को वोटर कार्ड और आधार कार्ड बंट रहे हैं और ममता बनर्जी चुप बैठी हैं। भारतीय जनता पार्टी नेता ने बंगाल विधानसभा से सुवेंदु अधिकारी के निलंबन का जिक्र किया और कहा, आप सुवेंदु को विधानसभा से निकाल सकते हैं लेकिन बंगाल के लोगों को चुप नहीं करा सकते, वे कहते हैं कि आपका समय समाप्त हो गया है।ष उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने बीजेपी को करीब 2.30 करोड़ वोट और 77 सीटों का आशीर्वाद दिया है...उनका उत्साह साफ बता रहा है कि उन्होंने 2026 में बीजेपी सरकार लाने का फैसला कर लिया है! शाह ने कहा कि जिस बंगाल में कभी सुबह–सुबह रवीन्द्र संगीत सुनाई पड़ता था, आज वही बंगाल बम धमाकों से गूंज रहा है। पूरे देश से गरीबी खत्म हो रही है, लेकिन बंगाल में गरीबी कम होने का नाम नहीं ले रही है। भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने पूरे देश से आतंकवाद को समाप्त किया है। कश्मीर से जिस धारा–370 को हटाने के लिए बंगाल के सपूत श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी ने बलिदान दिया था, उस धारा– 370 को मोदी जी ने समाप्त किया। उन्होंने दावा किया कि वामपंथी उग्रवाद को समाप्त किया। भारत के तिरंगे को चंद्रयान 3 के माध्यम से चांद पर पहुंचाया। नई संसद बनाई और देश के अर्थतंत्र को 11वें नंबर से 5वें नंबर पर पहुंचाया। गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि मोदी जी बंगाल में कल्याण सुनिश्चित करने के लिए लाखों करोड़ रुपये भेजते हैं, लेकिन बंगाल में शसिंडिकेट राजश गरीबों तक पैसा नहीं पहुंचने देता। उन्होंने कहा कि 2026 के चुनाव में दो तिहाई बहुमत के साथ बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी। लेकिन इससे पहले 2024 का चुनाव आ रहा है।

सदन में बोले अखिलेश- एक भी पावर हाउस नहीं खोला बिजली के मुद्दे पर की बहस

लखनऊ (एजेन्सी)। यूपी विधानमंडल सत्र के दूसरे दिन वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2023– 24 का अनुपूरक बजट पेश किया। 28,760.67 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया। इसमें 1946.39 करोड़ रुपये राजस्व खर्च के लिए और 9714 करोड़ रुपये पूंजी खर्च के लिए रखे गए हैं। नई योजनाओं के लिए 7421.21 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी विधानसभा में प्रदेश में डेंगू की रोकथाम को लेकर किए जा रहे उपायों पर कहा कि सरकार डेंगू सहित अन्य संक्रमित बीमारियों की रोकथाम के लिए सरकार सभी जरूरी इंतजाम कर रही है। प्रदेश के करोड़ों लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ मिल रहा है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के प्राइवेट संस्थाओं को बढ़ावा देने के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्रदेश में आयुष्मान योजना और मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना से करोड़ों लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। विधानसभा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, श्बहुत सारे ऐसे वायरस होते हैं जिसमें प्लेटलेट काउंट कम हो जाता है। इसके लिए हर जनपद में ब्लड सेपरेटर यूनिट दी जा चुकी है। प्रदेश के अंदर 10 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपये का सालाना स्वास्थ्य बीमा सरकार उपलब्ध करवा रही है.।

अमेरिकी सैन्य विमान हुआ दुर्घटनाग्रस्त

नई दिल्ली (एजेन्सी)। अमेरिकी सेना का एक वी–22 ऑस्प्रे विमान बुधवार को जापान के याकुशिमा द्वीप के पास समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें आठ लोग सवार थे। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, जापान के तट रक्षक के एक प्रवक्ता ने कहा कि जहाज पर मौजूद लोगों की सुरक्षा सहित घटना का कोई और विवरण नहीं है। घटना दोपहर 2.47 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि अमेरिकी सैन्य विमान के समुद्र में गिरते ही उसके बाएं इंजन से आग निकलने लगी।क्षेत्र में अमेरिकी सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि वे अभी भी घटना के बारे में जानकारी एकत्र कर रहे हैं। जापान में ऑस्प्रे की तैनाती विवादास्पद रही है, आलोचकों का कहना है कि हाइब्रिड विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा है।

बचाए गए श्रमिकों को लाया गया ऋषिकेश सीएम धामी ने की मुलाकात

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अस्पताल में बचाए गए श्रमिकों से मुलाकात की और उन्हें राहत चेक सौंपें

ऋषिकेश (एजेन्सी)। उत्तरकाशी में सिल्कयारा सुरंग में सफल ऑपरेशन के एक दिन बाद, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अस्पताल में बचाए गए श्रमिकों से मुलाकात की और उन्हें राहत चेक सौंपे। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा एक वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें मुख्यमंत्री को चिन्यालीसौड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में श्रमिकों से मिलते और उन्हें चेक सौंपते देखा जा सकता है। वहीं, भारतीय वायुसेना का परिवहन विमान चिनूक के उत्तरकाशी सुरंग से सफलतापूर्वक बचाए गए 41 श्रमिकों को लेकर ऋषिकेश पहुंचते ही एंबुलेंस भी मौके पर पहुंचीं। श्रमिकों को आगे की चिकित्सा जांच के लिए ऋषिकेश लाया गया है। पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मैं सबसे(श्रमिकों से) मिला, सबका हाल–चाल लिया। सभी लोग स्वस्थ हैं और प्रसन्न हैं। सभी श्रमिक, उत्तराखंड सरकार और प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें नरेंद्र मोदी जैसा नेतृत्व मिला है। पूरे देश ने देखा कि जब हमारे श्रमिक भाई सुरंग के अंदर थे तो इस बचाव अभियान में विश्व के सबसे अच्छे प्रयास किए गए हैं... चिकित्सकों के परामर्श के अनुसार एक बार उनकी ऋषिकेश एम्स में भी जांच होगी।ष उन्होंने बताया कि यह रेस्क्यू ऑपरेशन बहुत चुनौतीपूर्ण और कठिन था...जिन–जिन लोगों ने इसमें अपना योगदान दिया, मैं सबका धन्यवाद करता हूं...बाबा बौख नाग की कृपा से यह अभियान सफल हो पाया. ..हिमालय हमें अडिग रहने तथा आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देता है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सुरंग में फंसे श्रमिकों को बचाने के सफल ऑपरेशन की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटना ने सभी को भावुक कर दिया है। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन में शामिल लोगों के जज्बे को भी सलाम किया और कहा कि उनके साहस और संकल्प ने उन्हें एक नया जीवन दिया है। बचाये गये श्रमिकों ने प्रधानमंत्री से बातचीत भी की। उन्होंने केंद्र और उत्तराखंड सरकार के साथ–साथ बचाव टीमों की भी उनके प्रयासों के लिए सराहना की। यहां बता दें कि उत्तराखंड के चारधाम मार्ग पर निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा 12 नवंबर को ढह गया था, जिससे अंदर मौजूद मजदूरों का बाहर निकलना बंद हो गया था। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में सिल्क्यारा सुरंग में फंसे मजदूर सकुश मंगलवार की शाम बाहर आ चुके है। मजदूरों के सकुशल बाहर आने का इंतजार बीते 17 दिनों से पूरा देश कर रहा था। साथ ही उनके परिवार वाले भी इस इंतजार में थे। जब सब मजदूर सकुशल बाहर निकले वैसे ही हर तरफ खुशी की लहर दौड़ गई।

टूटा दूखों का पहाड़, बाहर आते ही पता चला कि उसके सिर से पिता का साया ही उठ गया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में सिल्क्यारा सुरंग में फंसे मजदूर सकुश मंगलवार की शाम बाहर आ चुके है। मजदूरों के सकुशल बाहर आने का इंतजार बीते 17 दिनों से पूरा देश कर रहा था। साथ ही उनके परिवार वाले भी इस इंतजार में थे। जब सब मजदूर सकुशल बाहर निकले वैसे ही हर तरफ खुशी की लहर दौड़ गई। उत्तरकाशी में मजदूरों के रेस्क्यू में जुटी टीमों के अलावा देश भर में लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि इन 41 मजदूरों में एक ऐसा मजदूर भी रहा जो बाहर आया तो अपने जीवन की सबसे दुखद खबर सुनने को मिली। सुरंग से बाहर आते ही उसे पता चला कि उसके सिर से पिता का साया ही उठ गया है। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले का रहने वाला ये मजदूर भक्तू मुर्मू है। शारीरिक रूप से सही सलामत निकलने के बाद भी वो अंदरूनी रूप से ये खबर पाकर पूरी तरह से टूट गया। जानकारी के मुताबिक मंगलवार 28 नवंबर को सिल्क्यारा सुरंग से जैसे ही भक्तू बाहर निकला तो उसे ये जानकारी दी गई कि उसके पिता का निधन हो गया है। अपने पिता ने निधन की खबर सुनते ही भक्तू फूट फूटकर रोने लगा। बीते 17 दिनों से वो लगातार सुरंग के अंदर रहने के दौरान अपने पिता से मुलाकात करने की इच्छा में जुटा हुआ था।

सम्पादकीय

अब उच्च शिक्षा का माध्यम बनाई जा रहीं भारतीय भाषाएं

करीब ढाई दशक पहले जब भारत में कंप्यूटर का विस्तार हो रहा था और इसके बाद जब तकनीक ने कंप्यूटर पर भारतीय भाषाओं में काम करना सुलभ बनाया, तब भी यह सोचना बेमानी था कि किसी दिन कंप्यूटर का भारतीय भाषाओं पर भी प्रभुत्व हो सकेगा। लेकिन अब यह भी हकीकत हो चुका है। जिस तरह तकनीक ने भारतीय भाषाओं को न सिर्फ कंप्यूटर के लिए सहज बनाया, कुछ उसी तरह अब भारतीय भाषाओं को उच्च शिक्षा का माध्यम बनाया जाने लगा है। उल्लेखनीय है कि भारतीय प्रबंध्ान संस्थान, इंदौर ने तय किया है कि अगले साल जनवरी में दस दिनों का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ कार्यशाला में शामिल लोगों को हिंदी में प्रशिक्षित करेंगे। आईआईएम, इंदौर पहले ही हिंदी माध्यम से प्रबंधन की पढ़ाई शुरू करने की घोषणा कर ही चुका है। आईआईएम के रूप में मशहूर प्रबंधन संस्थानों के बारे में अब तक यही धारणा रही है कि यहां अंग्रेजी माध्यम के जरिये पहुंचा जा सकता है। पर वहां यदि सोच के स्तर पर भारतीय भाषाओं और हिंदी को लेकर बदलाव हो रहा है, तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए। 26 नवंबर, 1949 को जब संविधान सभा ने संविधान को स्वीकृत किया, उस मौके पर संविधान सभा को आखिरी बार बतौर संविधान सभा अध्यक्ष संबोध्ाित करते हुए डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने जो दो अफसोस जताए थे, उनमें से एक यही था कि वह चाहकर भी हिंदी में संविधान नहीं बना सके। इसे विडंबना ही कहेंगे कि भारत में अंग्रेजी शिक्षा का विस्तार 1860 में तेजी से शुरू हुआ और इसके बाद वह बढ़ता ही गया। बावजूद इसके कि कांग्रेस की अगुआई में चले स्वाधीनता आंदोलन में भारतीय भाषा और हिंदी पर जोर रहा। फिर भी अंग्रेजी इतनी तेजी से स्वीकार्य बनती गई कि सौ साल से भी कम अवधि में वह इतनी महत्वपूर्ण बन गई कि देश की उच्च पेशेवर जिंदगी और पढ़ाई के लिए अनिवार्य मान ली गई। उसी का नतीजा रहा कि स्वाधीन भारत में अंग्रेजी गुलाम भारत की तुलना में कहीं ज्यादा फलती–फूलती रही। यह ठीक है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन काल में हिंदी और भारतीय भाषाओं को लेकर धारणा बदली है। पर यह भी उतना ही कटु सत्य है कि नौकरशाही और नीति निर्माण में अब भी अंग्रेजी का वर्चस्व है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हर भाषा की अपनी संस्कृति होती है और उस पर निर्भर करने वाले लोगों की सोच पर उस भाषा के साथ जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों का असर ज्यादा होता है। अंग्रेजी माध्यम से पढ़ी भारतीय नौकरशाही के बड़े वर्ग की सोच पर अंग्रेजी के साथ चली आ रही शासक और श्रेष्ठता बोध की मानसिकता अब भी हावी है। इसलिए जमीनी स्तर पर जैसे बदलाव दिखने चाहिए, नहीं दिख पाते। ऐसे माहौल में तकनीकी और उच्च शिक्षा की पढ़ाई के लिए भारतीय भाषाओं को माध्यम बनाने के बारे में सोचना भी साहस का काम है। हालांकि, नौकरशाहों की तुलना में प्रबंधक भारतीय भाषा–भाषियों के प्रति कहीं ज्यादा सचेत हैं। उन्हें पता है कि देश का जो विशाल मध्य वर्ग है, वह अपना दैनिक कामकाज अपनी भाषाओं में ही करता है। इसलिए उन तक अपने उत्पाद की पहुंच बनाने के लिए प्रबंधन पेशेवरों ने भारतीय भाषाओं को ही जरिया बनाया है। इसके ही चलते देश का विशाल मध्य वर्ग दुनिया भर के उत्पादों का बड़ा बाजार बन गया है। प्रबंधन अपने प्रोफेशन की पढ़ाई अंग्रेजी माध्यम से भले ही करता है, लेकिन उसे अपनी विशेषज्ञता को जमीनी हकीकत जिन कर्मचारियों या फील्ड कार्यकर्ताओं के जरिये बनाना पड़ता है, उनकी प्राथमिक जुबान भारतीय भाषाएं होती हैं। प्रबंधन के सूत्र कार्यकर्ताओं तक पहुंचते वक्त भाषायी नुकसान का शिकार होते रहे हैं। भारतीय भाषाओं में प्रबंधन की पढ़ाई के बाद जो पेशेवर तैयार होंगे, उनकी अभिव्यक्ति कार्यकर्ता के स्तर की होगी, तभी वे बेहतर नतीजे दे सकेंगे। इससे यह धारणा भी खंडित होने लगेगी कि भारतीय भाषाओं के जरिये भी प्रबंधन के गुर सीखे जा सकते हैं। इसे संयोग कहें या कुछ और कि मेडिकल की हिंदी माध्यम से पढ़ाई मध्य प्रदेश की धरती से शुरू हुई, अब नेतृत्व विकास से संबंधित प्रबंधन की पढ़ाई भी मध्य प्रदेश की धरती से ही आरंभ होने जा रही है। इससे एक बात तय है कि भारतीय भाषाओं को लेकर जो हिचक हमारे मानस में चिरस्थायी ढंग से स्थापित है, वह दरकेगी।

आम आदमी की समस्या से किसी नेता को लेना-देना नहीं

उत्तर काशी की टनल में फँसे मजदूरों का जीवन दो हफ्तों से अध्ार में लटका हुआ है। हालाँकि राहत कार्य चल रहा है लेकिन सफलता मिलना अभी दूर है। तब तक फँसे हुए मजदूर भगवान भरोसे हैं। किसी दल के बड़े– छोटे नेता को इस बारे में कोई चिंता नहीं है क्योंकि वे सब के सब चुनाव में लगे हैं। चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। वैसे कोई नेता चिंता करके या घटनास्थल पर जाकर भी परिस्थितियों को बदल तो नहीं सकता, लेकिन मॉनिटरिंग की जाए तो राहत कार्य में फुर्ती तो आ ही सकती है। लेकिन नेताओं को चुनाव से फुर्सत नहीं है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनाव हो चुके तो ये राजस्थान में लग गए। जब राजस्थान में चुनाव हो चुके तो सारे के सारे तेलंगाना जा धमके। दरअसल, आम आदमी की मूल और असल समस्याओं से इन्हें कभी कोई लेना–देना नहीं होता। इन्हें तो सिर्फ चुनाव जीत कर या तो सत्ता में बने रहना होता है या सत्ता से किसी दूसरे को हटाकर खुद जम जाना है। पार्टी कोई भी हो, सरकारें सबकी एक जैसी ही होती हैं। वे नहीं बदलतीं। उनका स्वभाव नहीं बदलता। कभी नहीं। क्योंकि विपक्ष में रहकर सत्ताधारी दल या सरकार को पानी पी–पीकर कोसने वाले ही जब सत्ता में आते हैं तो वैसे ही हो जाते हैं जैसी पिछली सरकार होती है। जिस चुनाव के लिए तमाम नेता माथापच्ची कर रहे हैं, उसकी बात करें तो राजस्थान और छत्तीसगढ़ के परिणाम का तो कुछ – कुछ अंदाजा लगाया जा सकता है, लेकिन मध्यप्रदेश बुरी तरह फँसा हुआ है। बड़े– बड़े तुर्रम भी मध्यप्रदेश के चुनाव पर मुँह नहीं खोल पा रहे हैं। काँटे की टक्कर कहकर सब के सब बचने में लगे हुए हैं। जहां तक राजस्थान का सवाल है, वहाँ सत्ता बदलने का रिवाज वर्षों से चला आ रहा है। छत्तीसगढ़ में सत्ताधारी दल का पलड़ा कुछ ही सही, लेकिन भारी लग रहा है। केवल मध्यप्रदेश कन्फ्यूजन में चल रहा है। यहाँ कुछ भी तय नहीं है। जो भी होगा, सीमा रेखा पर ही होगा। या तो ये दल उस पार होगा या फिर वो दल। खैर, हकीकध्त तो 3 दिसंबर को ही पता चलेगी, जब पाँचों राज्यों के चुनाव परिणाम सामने आएंगे। फिलहाल हर कोई अंदाजा लगाने में जुटा हुआ है। बहस करते– करते लोग लड़– झगड़ भी रहे हैं। वैसे कोई नेता चिंता करके या घटनास्थल पर जाकर भी परिस्थितियों को बदल तो नहीं सकता, लेकिन मॉनिटरिंग की जाए तो राहत कार्य में फुर्ती तो आ ही सकती है। लेकिन नेताओं को चुनाव से फुर्सत नहीं है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनाव हो चुके तो ये राजस्थान में लग गए। जब राजस्थान में चुनाव हो चुके तो सारे के सारे तेलंगाना जा धमके। दरअसल, आम आदमी की मूल और असल समस्याओं से इन्हें कभी कोई लेना–देना नहीं होता। इन्हें तो सिर्फ चुनाव जीत कर या तो सत्ता में बने रहना होता है या सत्ता से किसी दूसरे को हटाकर खुद जम जाना है। पार्टी कोई भी हो, सरकारें सबकी एक जैसी ही होती हैं। वे नहीं बदलतीं। उनका स्वभाव नहीं बदलता। कभी नहीं। क्योंकि विपक्ष में रहकर सत्ताधारी दल या सरकार को पानी पी–पीकर कोसने वाले ही जब सत्ता में आते हैं तो वैसे ही हो जाते हैं जैसी पिछली सरकार होती है। जिस चुनाव के लिए तमाम नेता माथापच्ची कर रहे हैं, उसकी बात करें तो राजस्थान और छत्तीसगढ़ के परिणाम का तो कुछ – कुछ अंदाजा लगाया जा सकता है, लेकिन मध्यप्रदेश बुरी तरह फँसा हुआ है। बड़े– बड़े तुर्रम भी मध्यप्रदेश के चुनाव पर मुँह नहीं खोल पा रहे हैं। काँटे की टक्कर कहकर सब के सब बचने में लगे हुए हैं। जहां तक राजस्थान का सवाल है, वहाँ सत्ता बदलने का रिवाज वर्षों से चला आ रहा है। छत्तीसगढ़ में सत्ताधारी दल का पलड़ा कुछ ही सही, लेकिन भारी लग रहा है। केवल मध्यप्रदेश कन्फ्यूजन में चल रहा है। यहाँ कुछ भी तय नहीं है। जो भी होगा, सीमा रेखा पर ही होगा।

पनौती का भौकाल और भौकाल की पनौती..!

अजय बोकिल

फिर भी राहुल ने जो कहा वह सीधा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी आत्ममुग्ध कार्यशैली पर हमला था। क्योंकि फाइनल मैच में मोदी खुद स्टेडियम में मौजूद थे। राहुल की मानें तो पीएम मोदी की उपस्थिति भारतीय टीम के लिए अशुभ साबित हुई और वो पूरे टूर्नामेंट में अच्छा खेलने के बाद भी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मात खा गई। 140 करोड़ लोगों के अरमानों पर पानी फिर गया। इस आरोप में छिपा संदेश यही था कि मोदी की मौजूदगी देश के लिए शुभ नहीं है। यह आरोप अपने आप में राजनीतिक गुगली थी, जिसके जरिए प्रधानमंत्री के जनसमर्थन का स्टम्प उखाड़ने की कोशिश की गई। राहुल के इसी आरोप को तमाम विपक्षी पार्टियों ने अपने ढंग से दोहराया। शिवसेना (उद्धव) और ममता बैनर्जी ने कहा कि यदि फाइनल मैच मुंबई या कोलकाता में होता तो टीम रोहित हर हाल में जीतती। हालांकि इस सवाल का कोई जवाब नहीं है कि यदि ऐसा होता भी तो क्या पीएम मोदी वहां भी जाते और जाते तो नतीजा क्या अहमदाबाद से अलग आता?

शब्द लोक से उपजते हैं, लेकिन राजनीति उन्हें नए अर्थ और आयाम देती है। इन दिनो दो नितांत देशज शब्दों पर जमकर सियासत हो रही है और ये सियासत भी नकारात्मक है। ये शब्द हैं 'पनौती' और 'भौकाल।' साहित्य और बोलचाल में ये शब्द एकदम नए नहीं हैं, लेकिन सियासत में इनका इस्तेमाल अब एक दूसरे का नकाब उतारने के लिए उसी रूप में हो रहा है, जो शायद इन शब्दों का मूल भाव है। यानी पनौती में भी भौकाल देखा जा रहा है और भौकाल के भीतर छिपी पनौती से डराया जा रहा है। अलबत्ता दो बातें गौर करने लायक है कि आज के जमाने में राजनीति की भाषा हिंदी के देशज मुहावरे की ओर लौट रही है और उतनी ही मारक भी है। इसकी सचाई पर बहस हो सकती है, लेकिन दिलचस्प बात ये है कि इन शब्दों का प्रयोग उन राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की ओर से हुआ है, जिनकी हिंदी पर पकड़ को लेकर अक्सर सवाल उठाए जाते रहे हैं। हिंदी में 'पनौती' शब्द नया नहीं है। लेकिन राजनीतिक भाषा में इसके प्रयोग कुछ नया है। पनौती हिंदी के पन शब्द में औती प्रत्यय को जोड़कर बना है। इसका भावार्थ किसी भी व्यक्ति के अपशकुनी अथवा अमंगल होने से है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राजस्थान में चुनाव प्रचार के दौरान कि कहा कि अच्छा भला वहां पे हमारे लड़के आईसीसी वर्ल्ड कप जीत जाते... वहां पर पनौती ने हरवा दिया। टीवी वाले ये नहीं कहेंगे मगर जनता जानती है।श राहुल के इस कमेंट पर चुनाव आयोग ने उन्हें नोटिस थमा दिया। हालांकि इसके पहले मोदी ने राहुल को 'मूर्खों का सरदार' बताया था और राहुल द्वारा मोदी को पनौती बताने पर मप्र के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने राहुल को 'राष्ट्रीय शर्म' तक कहा था। भाजपा ने इस शब्द प्रयोग के लिए राहुल गांधी से माफी मांगने को कहा तो उधर असम के मुख्यमंत्री और पूर्व कांग्रेसी हिमंत बिस्वास सरमा ने श्पनौतीश के लिए पूरे गांधी परिवार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि श्गांधी फैमिली के जन्मदिन पर देश में कोई शुभ काम हो ही नहीं सकता।श संयोग से 19 नवंबर को वर्ल्ड कप फाइनल वाले दिन इंदिरा गांधी की जयंती थी। इसी संदर्भ में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने उम्मीद जताई थी कि इस मौके पर टीम इंडिया ही चौंपियन बनेगी। इसमें यह छुपा संदेश भी था कि 1983 में जब भारतीय क्रिकेट टीम पहली बार वन डे वर्ल्ड चौंपियन बनी थी, तब इंदिरा गांधी ही देश की प्रधानमंत्री थीं। जवाब में भाजपा आईटी सेल की ओर से कहा गया कि 1982 में नई दिल्ली में हुए एशियाई खेलों में हॉकी के सेमी फाइनल में पाकिस्तानी टीम ने भारत को 7–1 से हराया था। उस वक्त स्टेडियम में पीए इंदिराजी और भावी पीएम राजीव गांधी मौजूद थे। भाजपा का सवाल था कि प्रतिप्रश्न किया कि यहां पनौती किसे कहेंगे? यूं किसी की मौजूदगी भर को हार जीत से जोड़ना टोटका हो सकता है, तार्किक आधार नहीं। फिर भी राहुल ने जो कहा वह सीधा प्रध्ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी आत्ममुग्ध कार्यशैली पर हमला था। क्योंकि फाइनल मैच में मोदी खुद स्टेडियम में मौजूद थे। राहुल की मानें तो पीएम मोदी की उपस्थिति भारतीय टीम के लिए अशुभ साबित हुई और वो पूरे टूर्नामेंट में अच्छा खेलने के बाद भी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मात खा गई। 140 करोड़ लोगों के अरमानों पर पानी फिर गया। इस आरोप में छिपा संदेश यही था कि मोदी की मौजूदगी देश के लिए शुभ नहीं है। यह आरोप अपने आप में राजनीतिक गुगली थी, जिसके जरिए प्रधानमंत्री के जनसमर्थन का स्टम्प उखाड़ने की कोशिश की गई। राहुल के इसी आरोप को तमाम विपक्षी पार्टियों ने अपने ढंग से दोहराया। शिवसेना (उद्धव) और ममता बैनर्जी ने कहा कि यदि फाइनल मैच मुंबई या कोलकाता में होता तो टीम रोहित हर हाल में जीतती। हालांकि इस सवाल का कोई जवाब नहीं है कि यदि ऐसा होता भी तो क्या पीएम मोदी वहां भी जाते और जाते तो नतीजा क्या अहमदाबाद से अलग आता? दबी जबान से यह आरोप भी सामने आए कि अहमदाबाद में भारतीय टीम की संभावित जीत को राजनीतिक श्रेय में बदलने की पूरी तैयारी थी, जिसे टीम कमिंस ने पहले ही ध्वस्त कर दिया। कहा यह भी गया कि नमो स्टेडियम की जिस पिच नंबर पांच पर फाइनल मैच हुआ, उसी ने ऐन वक्त पर दगा दे दिया। वरना वर्ल्ड कप विजेता का सेहरा भारतीय टीम के सिर ही बंधता। चूंकि फाइनल नरेन्द्र मोदी के गृहराज्य अहमदाबाद के नमो स्टेडियम में रखा गया, पीएम वहां खुद मौजूद रहे, इसीलिए भारतीय टीम पर अनावश्यक मनोवैज्ञानिक दबाव बना, इसीलिए भारत विश्व विजेता बनते बनते रह गया। यानी कि छक्के के लिए मारा जाने वाला शॉट भी बाउंड्री पर कैच हो जाए तो वह हार की पनौती है। हालांकि टीम रोहित की हार के बावजूद प्रधानमंत्री ने ड्रेसिंग रूम में जाकर भारतीय खिलाडिघ्यों की हौसला अफजाई की सदाशयता जरूर दिखाई। वैसे सुधि‍ा लोगों का मानना है कि नेताओं को खेलों से दूर ही रहना चाहिए। क्योंकि खेल से प्रतिष्ठा और पैसा मिल सकता है, वोट नहीं। वो चाहें तो जीत–हार के बाद खिलाडिघ्यों से मिल सकते हैं। दरअसल नेताओं के खिलाडिघ्यों को चीयर करने और आम खेल प्रेमियों के चीयर करने में बुनियादी फर्क यह है कि नेता चीयर करते– करते खुद 'चीयरलीडर' बनने का मोह नहीं टाल पाते। जबकि आम खेल प्रशंसक अपनी चहेती टीम को भी प्रभु के प्रसाद की तरह ही ग्रहण करता है। इसलिए 'राजनीतिक पनौती' और साधारण 'पनौती' में फर्क है। पनौती दुर्भाग्य की धारणा को मूर्त रूप देने का दुराग्रह है। वह असल में एक लक्षित सिर है, जिस पर हार, अपयश अथवा विनाश का ठीकरा फोड़ा जा सकता है। वैसे यह काम भाजपा राहुल गांध्ाी को लेकर बहुत पहले से करती आ रही है। लेकिन वह 'पनौती' शब्द के इस्तेमाल से बचती रही है। अब राहुल ने (हालांकि वो हिंदी के इस देशज शब्द की मार को कितना ठीक से समझते हैं, पता नहीं) इसी ब्रह्मास्त्र का उपयोग अपने चुनाव प्रचार में प्रध्ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ किया। भाजपा इस आरोप से बिलबिला गई है और अब राजनीतिक शब्दावली में श्पनौतीश कई प्लेटफार्मों और सोशल मीडिया में खूब ट्रेंड कर रहा है। प्रसिद्ध लेखिका मालती जोशी की एक कहानी है 'मैं चुनौती हूं, पनौती नहीं।' इसमें नायिका अपने संघर्ष और दृढ़ संकल्प से आर्थिक संकटों से घिरे परिवार को बखूबी संभालती है, जबकि उसका पति और ससुराल वाले आर्थिक बदहाली के लिए उसे ही जिम्मेदार ठहराते हैं। कुछ राजनीतिक भाषा विज्ञानियों का मानना है कि चुनाव प्रचार में पीएम मोदी के लिए श्पनौतीश का प्रयोग भाजपा द्वारा राहुल के लिए अब किए जाते रहे 'पप्पू' शब्द का सियासी जवाब है। जो दूसरा शब्द इन दिनो राजनीतिक स्क्रीन पर खूब ट्रेंड हुआ है और वो है 'भौकाल।' इसके बारे में कहा जाता है कि यह उत्तर प्रदेश और खासकर लखनऊ और अवध के इलाके की बोली का शब्द है। भौकाल का अर्थ है बनावटी रूतबा. . मरतबा या हनक। जानकारों के मुताबिक भौकाल बनाया जाता है, मचाया जाता है और दिखाया भी जाता है। यानी खुद को बढ़ाचढ़ाकर पेश करने की कोशिश। दूसरे शब्दों में कहें तो भौकाल किसी शख्स का ऐसा जलवा है, जिसका निगेटिव एप्रिसियेशन किया जाता है। भाषा शास्त्री इसका अर्थ श्समय को संबोध्ाितश (भोकाल) करने से जोड़ते हैं। कहते हैं कि राजनीति में इस शब्द का प्रयोग सबसे पहले स्व. मुलायम सिंह की बहू अपर्णा यादव ने एक दशक पहले तत्कालीन अखिलेश सरकार की कार्य शैली पर कटाक्ष के रूप में किया था। उन्होंने कहा था कि श्यूपी में तो बस भौकाल मंत्रालय चलता है। लोगों का अटेंशन अपनी ओर खींचना ही अगर भौकाल है तो अवश्य ही मैं भौकाली हूं।श अब इसी शब्द का उपयोग प्रियंका गांधी ने चुनाव प्रचार के दौरान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने मुझसे बड़ी गाड़ी में बैठने का अनुरोध किया। मैंने पूछा कि क्यों तो जवाब मिला कि दीदी आजकल भौकाल (दिखावे) की राजनीति है। जनता की समस्याओं से कोई लेना देना नहीं है। चुनाव प्रचार में ये दोनो शब्द जिस भी नीयत और समझ से इस्तेमाल किए गए हों, लेकिन ये हमारे देश की वर्तमान राजनीति और उसके चरित्र को बखूबी प्रतिबिम्बित करते हैं। दुर्भाग्य से सत्ता के खेल में आपसी कटुता और विद्वेष इस निचले स्तर तक पहुंच गया है कि असल खेल में हार जीत भी अब राजनीतिक पनौती का बायस है। दूसरी तरफ सियासत में श्भौकाल श्अब एक जरूरी फैक्टर बन चुका है। यह वास्तव में झूठ को सच के रैपर में लपेट कर जनता को बेचने का मार्केटिंग स्किल है। यक्ष प्रश्न उस जनता के सामने है कि वो किसे श्पनौतीश माने और किसके श्भौकालश को हकीकत समझे।ााजपा का सवाल था कि प्रतिप्रश्न किया कि यहां पनौती किसे कहेंगे? यूं किसी की मौजूदगी भर को हार जीत से जोड़ना टोटका हो सकता है, तार्किक आधार नहीं। फिर भी राहुल ने जो कहा वह सीध्ाा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी आत्ममुग्ध कार्यशैली पर हमला था। क्योंकि फाइनल मैच में मोदी खुद स्टेडियम में मौजूद थे। राहुल की मानें तो पीएम मोदी की उपस्थिति भारतीय टीम के लिए अशुभ साबित हुई और वो पूरे टूर्नामेंट में अच्छा खेलने के बाद भी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मात खा गई। 140 करोड़ लोगों के अरमानों पर पानी फिर गया। इस आरोप में छिपा संदेश यही था कि मोदी की मौजूदगी देश के लिए शुभ नहीं है। यह आरोप अपने आप में राजनीतिक गुगली थी,।

बदलाव के वक्त यह व्यापक सोच जरूरी

निश्चित रूप से कानून को बदले हुए जीवन मूल्यों, आदर्शों, आचार-विचार और आकांक्षाओं के अनुरूप होना चाहिए। आधुनिक अपराध विज्ञान, आपराधिक न्याय शास्त्र तथा सजा व जेलों से जुड़े आधुनिक अध्ययनों के जरूरी हिस्से नए कानून में दिखने ही चाहिए।

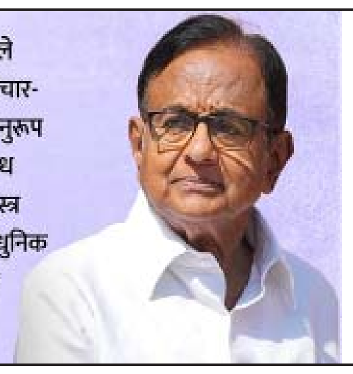

कानूनों में सुधार करना अच्छा विचार है, लेकिन सुधार का मतलब यह नहीं है कि मौजूदा प्रावध्ाानों को ही दोबारा व्यवस्थित कर दिया जाए या उनकी फिर से क्रम दिया जाए। बदलाव करते हुए यह व्यापक सोच हमारे सामने होनी चाहिए कि मौजूदा समय और परिस्थिति में आपराधिक कानून कैसा होना चाहिए। निश्चित रूप से कानून को बदले हुए जीवन मूल्यों, आदर्शों, आचार–विचार और आकांक्षाओं के अनुरूप होना चाहिए। आधुनिक अपराध विज्ञान, आपराधिक न्याय शास्त्र तथा सजा व जेलों से जुड़े आधुनिक अध्ययनों के जरूरी हिस्से नए कानून में दिखने ही चाहिए। लेकिन इन तीन विधेयकों में हम क्या पाते हैं? कानून के क्षेत्र के अनेक विद्वानों ने इन तीन विधेयकों की गंभीरता से जांच की है।

पी. चिदंबरम

भारतीय दंड संहिता, 1860, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 और दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 हमारे यहां आपराधिक न्याय प्रणाली के तीन स्तंभ हैं। भारतीय दंड संहिता के प्रणेता थॉमस बैबिंग्टन मैकाले थे, जिन्होंने प्रथम विधि आयोग की अध्यक्षता की थी। भारतीय साक्ष्य अधि‍ानियम के लेखक सर जेम्स फिट्जेम्स स्टीफन थे। ऐसे ही वर्ष 1973 में नया कानून पारित कर 1898 की दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) को निरस्त कर दिया गया था। देश भर की सैकड़ों अदालतों में रोज इन तीनों कानूनों का इस्तेमाल होता है। हजारों जज और 1,50,000 से अधि‍ाक वकील (जिनमें से ज्यादातर फौजदारी मामलों से जुड़े होते हैं) लगभग रोज ही इन तीन कानूनों से गुजरते हैं। हर जज या वकील यह जानता है कि आईपीसी की धारा 302 हत्या के मामले में लगती है। वे जानते हैं कि साक्ष्य अधिनियम की ध्ाारा 25 के तहत किसी पुलिस अधि‍ाकारी के सामने दिए गए बयान से अदालत में आरोपी के खिलाफ अपराध्ा तय नहीं होते। वे यह भी जानते हैं कि सीआरपीसी की धारा 437, 438 और 439 में अग्रिम जमानत और जमानत देने के प्रावधान हैं। इन तीनों कानूनों में ऐसे अनेक प्रावधान हैं, जिनके बारे में जजों और वकीलों को गहराई से जानकारी है। कानूनों में सुधार करना अच्छा विचार है, लेकिन सुधार का मतलब यह नहीं है कि मौजूदा प्रावधानों को ही दोबारा व्यवस्थित कर दिया जाए या उनकी फिर से क्रम दिया जाए। बदलाव करते हुए यह व्यापक सोच हमारे सामने होनी चाहिए कि मौजूदा समय और परिस्थिति में आपराधिक कानून कैसा होना चाहिए। निश्चित रूप से कानून को बदले हुए जीवन मूल्यों, आदर्शों, आचार–विचार और आकांक्षाओं के अनुरूप होना चाहिए। आधुनिक अपराध विज्ञान, आपराधिक न्याय शास्त्र तथा सजा व जेलों से जुड़े आधुनिक अध्ययनों के जरूरी हिस्से नए कानून में दिखने ही चाहिए। लेकिन इन तीन विधेयकों में हम क्या पाते हैं? कानून के क्षेत्र के अनेक विद्वानों ने इन तीन विधेयकों की गंभीरता से जांच की है। हम यह पाते हैं कि भारतीय दंड संहिता के 90–95 फीसदी प्रावधान उठाकर नए मसौदे में जोड़ दिए हैं। आईपीसी के 26 में से 18 अध्याय (तीन अध्यायों में सिर्फ एक–एक धाराएं ही थीं) नए विधेयक में ज्यों के त्यों रख दिए गए हैं। स्थायी समिति की रिपोर्ट में भी यह स्वीकारा गया है कि विधेयक में आईपीसी की 511 धाराओं में से 24 को हटा दिया गया है और 22 धाराएं जोड़ी गई हैं–बाकी को जस का तस रखा गया है, हालांकि उन्हें दोबारा व्यवस्थित किया गया है और उनके क्रम बदले गए हैं। जबकि इन बदलावों को आईपीसी में संशोधन करके बहुत आसानी से लागू किया जा सकता था। साक्ष्य अधिनियम और सीआरपीसी में भी यही कहानी दोहराई गई। साक्ष्य अधिनियम की सभी 170 धाराओं को नए विधेयक में जोड़ा गया है। ऐसे ही, सीआरपीसी का 95 फीसदी हिस्सा कट–पेस्ट है। जाहिर है, यह पूरी कवायद श्रम, समय और संसाधन की बर्बादी थी। यही नहीं, विधेयक के पारित होने पर कई अनपेक्षित परिणाम होंगे। यह कोई छोटी परेशानी नहीं है कि हजारों जजों, वकीलों, पुलिस अधिकारियों, कानून के छात्रों–यहां तक कि आम नागरिकों को भी भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। उन्हें कानूनों की फिर से जानकारी हासिल करनी पड़ेगी। जहां तक विधेयकों की विषय–वस्तुओं का सवाल है, तो इनमें कुछ अच्छी चीजें हैं, जिनके बारे में सरकार संसद में बताएगी, लेकिन मैं इन विधेयकों के उन बिंदुओं पर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, जिनसे सवाल उठते हैं। प्रतिगामी प्रावधानरू मृत्युदंड की सजा को खत्म किए जाने की सार्वभौमिक मांग के बावजूद इसे बनाए रखा गया है। बीते छह वर्षों में शीर्ष अदालत ने सिर्फ सात मामलों में मौत की सजा सुनाई है। किसी भी व्यक्ति को सुधार का मौका दिए जाने के नाम पर बगैर जमानत आजीवन कारावास में रखना कहीं ज्यादा सख्त दंड है। व्यभिचार को, जो पति और पत्नी के बीच का मामला माना जाता है, फिर से अपराध की श्रेणी में लाया गया है। इसके आधार पर, पीड़ित पति या पत्नी तलाक के लिए मुकदमा कर सकते हैं। सरकार को उनकी जिंदगी में हस्तक्षेप करने का कोई हक नहीं है। इससे भी बुरा यह है कि आईपीसी की धारा 497, जिसे शीर्ष अदालत ने रद्द कर दिया था, उसे लिंग के प्रति तटस्थता रखते हुए वापस लाया गया है। बगैर कारण बताए, मृत्युदंड या आजीवन कारावास की सजाओं को कम करने या बदलने की कार्यपालिका की शक्ति संविधान के अनुच्छेद–14 का उल्लंघन है। एकांत कारावास एक क्रूर और असामान्य सजा है। कुछ मामलों में अदालत की कार्यवाहियों की मीडिया द्वारा होने वाली रिपोर्टिंग को विध्ाायिका द्वारा रोका जाना असंवैधानिक है। आतंकवाद से जुड़े मामलों को गैर–कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधि‍ानियम के तहत अच्छी तरह से देखा जाता है। इन्हें नई दंड संहिता के तहत लाने की जरूरत नहीं है। इसके अलावा, सहायक सत्र न्यायाधीश के पद को खत्म करना भी सही नहीं है, क्योंकि, इससे सत्र न्यायाधीश पर बोझ बढ़ जाए। इस व्यवस्था में पहली अपील उच्च न्यायालय में होगी, जिससे उच्च न्यायालयों पर भी बोझ बढ़ेगा। हथकड़ी लगाने की अनुमति केवल तभी देनी चाहिए, जब हिरासत में रखा गया व्यक्ति हिंसक हो या उसके भागने की आशंका हो। जिस मजिस्ट्रेट के सामने हिरासत में लिए गए व्यक्ति को रिमांड के लिए लाया जाता है, उसे व्यक्ति की गिरफ्तारी की जरूरत और वैधता को लेकर संतुष्ट होना आवश्यक है। नई अपराध्ा संहिता का खंड 187 (2) पुलिस अधि‍ाकारियों और न्यायाधीशों के बीच गलत धारणा पैदा करता है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को पुलिस या न्यायिक हिरासत में भेजा जाना चाहिए। मुझे न्यायमूर्ति कृष्णा अय्यर की वह चेतावनी याद आती है कि मजिस्ट्रेट श्किसी हिरासत की जरूरत नहींश के तीसरे विकल्प की अनदेखी करते हैं। खंड 254 जांच अधि‍ाकारी को श्रव्य–दृश्य माध्यमों से गवाही देने की अनुमति देता है, खुले सार्वजनिक न्यायालय में निष्पक्ष कार्यवाही के सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन है।

विश्वसनीय कार्रवाई को लेकर दिखाने के लिए कुछ भी नहीं

इस हफ्ते दुनिया भर के नेता दुबई में कॉप 28 में मिलेंगे और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों पर चर्चा करेंगे, जो दुनिया भर में जीवन और आजीविका को प्रभावित कर रही है। आम तौर पर विभिन्न देशों के नेता इकट्ठा होते हैं, बातचीत करते हैं, सहानुभूति जताते हैं और आम सहमति बनाते हैं, ताकि भविष्य में इससे असहमति जताई जा सके। वर्ष 1995 के बर्लिन सम्मेलन से लेकर कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज यानी कॉप का यह 28वां सम्मेलन है। कॉप शिखर सम्मेलन का रिकॉर्ड भव्य घोषणाओं और कार्रवाई के बीच के अंतराल से उजागर होता है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं ने विकासशील देशों के लिए वर्ष 2009 में 100 अरब डॉलर के कोष का वादा किया था, जिसे पूरा करने में वे विफल रही हैं। निश्चित रूप से इसमें बहुत से नेक इरादे, अध्ययन और रिपोर्ट शामिल हैं। फिर भी ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन वर्ष 2022 में पूर्व–औद्योगिक युग से 50 फीसदी ऊपर था, जो वर्ष 2023 में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके परिणाम विभिन्न संकेतकों में स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। दुनिया भर में ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जो जलवायु परिवर्तन के विश्वसनीय चिह्न हैं। ग्रीनलैंड में 20,000 से ज्यादा ग्लेशियर हैं। तस्वीरें दर्शाती हैं कि ग्लेशियर 20वीं सदी की तुलना में दोगुनी तेजी से पिघल रहे हैं। दुनिया के दो तिहाई उष्णकटिबंध्ाीय ग्लेशियरों का घर पेरू पिछले छह दशकों में अपने आधे से ज्यादा ग्लेशियर खो चुका है। अमेरिका में जलवायु विज्ञानियों को चिंता है कि उत्तरी कैस्केड ग्लेशियर का क्षेत्रफल कम हो रहा है और बिना वर्षा संचय के यह लंबे समय तक जीवित नहीं रह सकता। आर्कटिक से लेकर अंटार्कटिका तक से आने वाले आंकड़ों में ग्लेशियरों की बुरी स्थिति दिख रही है। नेशनल स्नो ऐंड आइस डाटा सेंटर के अध्ययन दिखाते हैं कि पिछले चार दशकों में आर्कटिक क्षेत्र में 19.9 लाख वर्ग किलोमीटर यानी करीब मैक्सिको के बराबर क्षेत्र में बर्फ का आवरण खत्म हो गया है। इस जुलाई में अंटार्कटिक बर्फ श1981 से 2010 के औसत की तुलना में तेजी से कम हुई और औसत से 26 लाख वर्ग किलोमीटर यानी लगभग अर्जेंटीना जितने बड़े क्षेत्र में कम हो गई। हैरानी की बात नहीं कि उपेक्षा से चरम मौसमी घटनाएं बढ़ रही हैं। वर्ष 1800 के बाद से तीसरे सबसे गर्म वर्ष में इटली में प्रतिदिन 11 चरम मौसमी घटनाएं देखी गईं। यूरोप के अधि‍ाकांश हिस्सों में लू चलते देखी गई। उत्तरी अमेरिका बाढ़, रिकॉर्ड तोड़ वनाग्नि और उच्च तापमान से जूझ रहा है–फीनिक्स, एरिजोना में लगातार 54 दिनों तक 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान था। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने जुलाई और अगस्त, 2023 को अब तक का सबसे गर्म महीना घोषित किया, जबकि अमेरिकी मौसम प्रशासक ने सितंबर और अक्तूबर, 2023 को 174 वर्षों में सबसे गर्म बताया। सिर्फ लू का कहर ही नहीं रहा, बल्कि बाढ़ के चलते भी कई इलाके जलमग्न हो गए। जुलाई में भारत के कई शहर, गुजरात के जूनागढ़ से असम के जोरहाट तक ने भारी बाढ़ का सामना किया। जुलाई में मुंबई में इतिहास की सबसे ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई। मूसलाधार बारिश एवं उफनती नदियों के कारण पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में बाढ़ आ गई। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर समझौतों, भाषणों एवं कार्रवाई के आह्वान की कोई कमी नहीं है। पिछले पखवाड़े फ्रांस के राष्ट्रपति इमैन्युअल मैक्रों ने पेरिस पीस फोरम में दुनिया भर के करीब श्दो लाख ग्लेशियरों के स्थायी (अपरिवर्तनीय) रूप से पिघलनेश का जिक्र किया और इसे श्मानवता के लिए अप्रत्याशित चुनौतीश बताया। अंटार्कटिका की यात्रा पर गए संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटेनियो गुटेरस ने दुनिया से श्तत्काल कार्रवाईश करने का आग्रह किया और घोषणा की कि श्अंटार्कटिका में जो होता है, उसका असर सिर्फ अंटार्कटिका तक नहीं रहता है। जितना कहा जाता है, उतना शायद ही कभी किया जाता है। ग्लेशियरों के पिघलने और जोखिमों की कहानियां कई रिपोर्टों में आई हैं। वर्ष 2022 की आईपीसीसी रिपोर्ट में पाया गया कि आर्कटिक पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन उस स्थिति के करीब पहुंच रही है, जिसे पूर्व स्थिति में लाना मुश्किल है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) ने नुकसान और क्षति के लिए एक कोष की स्थापना, वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री के भीतर रखने के स्पष्ट इरादे, व्यवसायों एवं संस्थानों को जवाबदेह बनाने, विकासशील देशों के लिए धन जुटाने और कार्यान्वयन के लिए धुरी बनाने को निष्कर्षों के रूप में सूचीबद्ध किया।

जांच के दौरान म्यूजिक एकेडमी मिला फर्जी

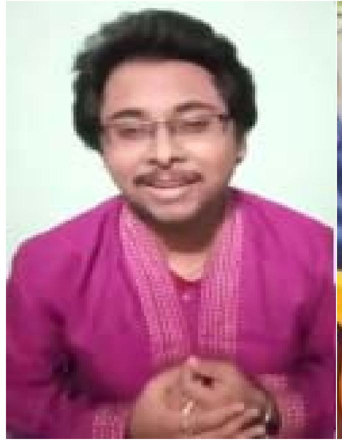

वाराणसी । बनारस के लंका से कुछ दूर शिवाला नामक स्थान पर फर्जी म्यूजिक एकेडमी खोलकर संगीत से जुड़े लोगों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है यह म्यूजिक एकेडमी है आदित्य म्यूजिक एकेडमी। जो कि यह दावा करता है कि प्रयागराज संगीत समिति से जुड़ा हुआ है । इसके संस्थापक आदित्य भंडारी है जो की खुद ही अभी प्रयागराज संगीत समिति से संगीत सीख रहे हैं। इन्होंने सोशल मीडिया के जरिए कई बच्चों को कम पैसों में संगीत का कोर्स करने का लालच दिया और धोखाधड़ी भी किया है। जब क्राइम ब्रांच की टीम को उनके बारे में पता चला तो काजल कुमारी खुद ही इसकी सत्यता को जानने के लिए उसे एकेडमी में छात्र बनाकर गई और वहां के संस्थापक आदित्य भंडारी से बात की । जब काजल कुमारी वहां गई तो ना ही एकेडमी का कोई बोर्ड था ,ना ही पास के लोगों से एकेडमी के बारे में कुछ भी पता चल कोई जानता ही नहीं था। कि यहां कोई संगीत का एकेडमी भी है ।सोशल मीडिया पर अकादमी का नंबर डाला हुआ था उस नंबर पर कॉल करके काजल कुमारी ने कहा कि, मुझे आपके एकेडमी में नामांकन करवाना है ।मैं आपसे कैसे मिलूं तब आदित्य भंडारी के बताए हुए पते पर यह पहुंची दिखने में सिंपल सा घर लग रहा था एकेडमी जैसा कुछ लगा ही नहीं।जब काजल कुमारी ने उनके विषय में और उनके एकेडमी के विषय में बात शुरू की तब पता चला कि यह अकादमी प्रयागराज संगीत समिति से जुड़ा है जब इन्होंने उसके सत्यापन के दस्तावेज मांगे तो उन्होंने बात बदलते हुए इन्हें गुमराह किया और नमांकन फॉर्म ध्2700 फीस बात कर भरने को दे दिया। काजल कुमारी ने नामांकन फॉर्म को दिखा तो उसे पर नामांकन डेट खत्म हो चुकी थी जब इस विषय पर उन्होंने बात किया तो आदित्य भंडारी ने समझते हुए कहा संगीत समिति हमारा है हम जब चाहे जैसे चाहे किसी का भी एडमिशन करवा सकते हैं आप बस नामांकन भरे बाकी का हम देख लेंगे। आदित्य भंडारी ने यह भी बताया कि हमारे अकादमी में 1000 से ज्यादा बच्चे जुड़े हैं स जबकि आसपास के कोई संगीत अकादमी के बारे में कुछ पता नहीं था, और ना ही इतने बच्चे इनसे जुड़े हैं। इन्होंने मंथली फीस 1500 रुपए बताई संगीत का जब एग्जाम पड़ेगा तो उसके पैसे अलग से देने पड़ेंगे एग्जाम के लिए । कुमारी ने उनसे फॉर्म ले लिया और अगले दिन जाकर नामांकन करवाएंगे ऐसा कहा काम लेकर वहां से निकल गई। अब तो इस बात की स्पष्ट हो गई कि यह म्यूजिक अकैडमी फर्जी है और न जाने कितने ही बच्चों का भविष्य इन्होंने पैसों के लालच में अंधकार में धकेल दिया। सारे प्रूफ को ध्यान में रखते हुए आगे की करवाई की जाएंगी और इनके एकेडमी को जल्द से जल्द बंद करवा दिया जाएगा । बढ़ते अपराध को रोकने के लिए काजल कुमारी जी ने अपनें हिम्मत को दिखाते हुए बहुत ही बहादुरी से इस फर्जी एकेडमी के सच को सबके सामने लाई है। इनके इस कार्य की सराहना करते हुए हमे इनपर गर्व है हमारे देश को काजल कुमारी जी के जैसी साहसी वीरांगनाओं की जरुरत है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर दूल्हे की मन पसंद बाइक की जिद ने पहुचाये थाने

1-दूल्हे और दुल्हन के परिवार के बीच पुलिस की मौजूदगी में हुआ सुलह समझौता

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत नाथूपुर अहमदपुर गांव निवासी बसंतु सोनकर की पुत्री की बारात चंदौली जनपद के ग्राम ककरहटी निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर दूल्हा जितेन्द्र सोनकर 29 नवम्बर को बारात लेकर गांव पहुंचा था। जिसकी विदाई 30 नवम्बर को सुबह ही होनी थी। रात में जयमाला के समय दूल्हे द्वारा दहेज में दिए जाने वाली बाइक को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को थाने पर ले गई जहां सुलह समझौते के बाद मामला शांत हुआ ।इस मामले में जानकारी देते हुए दुल्हन के भाई अरविंद सोनकर ने बताया कि मेरी बहन की बरात बुधवार को आयी हुई थी सारा कार्यक्रम सकुशल सम्पन्न हो रहा था जायमाल के बाद ही दूल्हा मन पसंद बाइक ना मिलने पर जायमाल स्टेज पर भड़क गया और माला फूल तोड़ने लगा साथ ही हमारे रिश्तेदारों द्वारा दिए गए उपहार को फेकने लगा। उसके बाद स्टेज से नीचे उतर गया जब इसके सम्बन्ध में दूल्हे से पूछा गया तो सॉफ्टवेयर इंजीनियर दूल्हे ने बोला कि कौन सी बाइक मुझे दिया जा रहा हैं मुझे दिखाया जाए तभी हम शादी करेंगे नहीं तो हम शादी नहीं करेंगे। इस पर हम लोगो ने कहा कि एक बाइक देने की बात हुई थी तो हम लोगों ने एक लाख रुपये तक की बाइक खरीदे है यह नही तय हुआ था कि कौन सी और कितने रुपये की बाइक देना है। इस बात को लड़की पक्ष और लड़के पक्ष में मामला इतना उलझ गया कि लड़की पक्ष द्वारा पुलिस को सूचित किया गया। सूचना पर मौके से पहुँची पुलिस ने रात में ही सॉफ्टवेयर इंजीनियर दूल्हे सहित उसके पिता को थाने ले आयी। इस प्रकरण के बारे में गुरुवार को जानकारी देते हुए थाना प्रभारी जफराबाद के०के० चौबे ने बताया कि लड़की और लड़के पक्ष के लोगों में सुलह समझौता हो गया। शादी संपन्न हो गई है किसी प्रकार की कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

भगवान राम के आदर्श को जनता तक पंहुचाने का सबसे उचित माध्यम रामलीला का मंचन होता है : आदि उपेंद्र तिवारी

हरदोई (अंबरीश कुमार सक्सेना)। लोनी गांव में शुरू हुए रामलीला मेला के उद्घाटन के अवसर पर उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी के सुपुत्र आदि उपेंद्र तिवारी ने कहा कि भगवान राम के आदर्श को जनता तक पंहुचाने का सबसे उचित माध यम रामलीला का मंचन होता है। इसलिए लोगों को ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए। उन्होने कहा कि मनुष्य को भी अपने अंदर अंहकार नहीं पालना चाहिए। अंहकांर ही मनुष्य को एक दिन खत्म कर देता है। लंकापति रावण अंहकार के कारण ही भगवान राम के हाथों मारा गया। इसलिए समाज में लोगों को अंहकार से दूर रहना चाहिए। हमेशा भगवान राम के सिंध्दातों को अपनाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता ने कहा कि मेले एकजुटता, सद्भाव और भाईचारे का प्रतीक हैं। भारतीय संस्कृति में मेलों का विशेष महत्व है। मेला और पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत हैं। हम सभी की जिम्मेदारी है कि इन परंपराओं को सद्भाव और भाईचारे के साथ निभाते रहें। ग्राम–लोनी में 18 वर्ष से हो रही श्री रामलीला मेला आयोजन का उद्घाटन उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी जी के सुपुत्र आदि उपेंद्र तिवारी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर संजय मिश्रा बब्लू,पूर्व जिला पंचायत सदस्य अनिल त्रिवेदी भूरे, मंत्री कार्यालय प्रभारी सुभाष रस्तोगी, सभासद रमाकांत मौर्य, मित्र परिवार के राष्ट्रीय संयोजक अनुराग श्रीवास्तव, संजय अग्निहोत्री, अनिल पांडेय पिंटू, आजाद सिंह सहित हर वर्ष की तरह राम लीला कार्यक्रम में उपस्थित उपस्थित रहे ।आयोजक मण्डल के रजनीश चन्द्र बाजपेयी, श्याम किशोर पाण्डेय, विमल पाण्डेय, ग्राम प्रधान रामप्रताप पाल एवं ग्राम वासियों सहित गणमान्यजन उपस्थित में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के लक्ष्य को करे शत् प्रतिशत करे पूरा - सीएमओ डॉ संजय जैन

सीएमओ ने अभियान को सफल बनाने के लिए मांगी निजी चिकित्सकों से सहायता

अयोध्या। प्रधानमंत्री टीबी० मुक्त भारत अभियान–2025 के तहत राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये सभी निजी चिकित्सकों से सहयोग मांगा है ।इसके लिए सीएमओ डॉ संजय जैन ने डॉ संदीप कुमार शुक्ला,जिला क्षय रोग अधिकारी,डॉ मंजूषा पाण्डेय,अध्यक्ष आईएमए की संयुक्त अध्यक्षता में प्राइवेट चिकित्सकों का संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन सीएमओ कार्यालय के सभागार में आयोजित किया गया ।इस मौके पर सीएमओ डॉ संजय जैन ने प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान–2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्राइवेट सेक्टर में क्षय रोग उपचार प्राप्त कर रहे क्षय मरीजों की सूचना उपलब्ध कराना आवश्यक है ।इसके लिए सभी उपचार कर रहे मरीजों का बैंक डिटेल,आधार तथा मोबाइल नंबर प्राप्त करना आवष्यक है। जिससे उन्हें निक्षय पोषण योजना का लाभ प्राप्त हो सके। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कोई भी मरीज इस योजना से वंचित न रह जाये। प्राइवेट सेक्टर में अब तक लक्ष्य के सापेक्ष 108 प्रतिशत की उपलब्धि प्राप्त हो चुकी है तथा इसके अलावा और सहयोग की अपेक्षा है ।बैठक में डाक्टर संदीप कुमार शुक्ला, जिला क्षय रोग अधिकारी ने सभी उपस्थित चिकित्सकों को इस कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि प्राइवेट चिकित्सकों को प्रति नोटीफिकेशन रु० 500 का भुगतान किया जायेगा, तथा मरीजों को भी प्रति माह 500 रु० निक्षय पोषण योजना के तहत खाते के माध्यम से भुगतान किया जायेगा। डॉ मंजूषा पाण्डेय, अध्यक्ष, इण्डियन मेडिकल एसोशियसन ने सभी उपस्थित चिकित्सकों से अपील किया कि आप सभी लोग अपने अपने चिकित्सालय में आने वाले मरीजों का जांच उपरान्त टी०बी० पाये जाने पर उनकी सूचना निक्षय पोर्टल पर दर्ज करें ।वहीं जिला क्षय रोग अधिकारी ने सभी राज नेताओं / अधिकारियोंध्कार्पोरेट सेक्टर/व्यवसायियों तथा नागरिकों से अपील किया कि आप अपने–अपने क्षेत्र के सभी क्षय मरीजों को गोद लेकर उन्हें सहयोग / पोषण किट प्रदान करने का कष्ट करें ।जिससे प्रधानमंत्री के लक्ष्य क्षय उन्मूलन वर्ष 2025 को प्राप्त किया जा सके ।इस मौके पर रेड क्रास सोसाइटी के द्वारा क्षय मरीजों को गोद लेने पर मरीजों को प्रदान की जाने वाली पोषण पोटली की 50 प्रतिशत ध नराशि को आयकर में 80 जी के अन्तर्गत मुक्त किये जाने के आदेश महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ०प्र० स्वास्थ्य भवन लखनऊ से प्राप्त हुए। इस अवसर पर डी०पी० सिंह, अनंत प्रताप सिंह डी०पी०सी०, प्रेम कुमार जिला पी०पी०एम० समन्वयक, सैय्यद मोहम्मद नेमान जिला कोआर्डिनेटर पी०पी०एस०ए० सभी कर्मी मौजूद रहे।

प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम कंपटीशन सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

सुजानगंज, जौनपुर । स्थानीय क्षेत्र के प्रणवम् स्कूल,सुजानगंज में ष्डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम जी.के. कंपटीशन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र– छात्राओं ऋषिकेश तिवारी,यश, कीर्ति गुप्ता,अभिनव पटेल,रुद्र द्विवेदी,यथार्थ सिंह,श्रेया यादव,अर्श दुबे, समर्थ मिश्रा व निमित तथा द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्राओं को क्रमशः स्वर्ण पदक, रजत पदक,एवं कांस्य पदक व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि थाना थानाध्यक्ष सुजानगंज श्री रोहित कुमार मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के प्रबंधक व कांग्रेस से मुँ. बादशाहपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी डॉ. प्रमोद के. सिंह ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्रम् देकर सम्मानित किया। बच्चों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि ष्यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जो आपकी कड़ी मेहनत,समर्पण और चुनौतियों पर काबू पाने और प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए आपको खुद पर गर्व होना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डा. प्रमोद के. सिंह ने कहा ष्यह छात्र जीवन एक प्रतियोगी मंच है इसमें जीत उसी की होती है जो विवेकाधीन होकर कठिन परिश्रम करता है परिश्रम के अलावा और कोई दूसरा रास्ता नहीं है। इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती सिल्जा प्रमोद ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आपको अपनी इस उपलब्धि को प्रसन्न होकर स्वीकार करना चाहिए आने वाले भविष्य में आपको इसी तरह के प्रतिद्वंद्विता का सामना करना पड़ेगा इसके लिए हमें अभी से तैयार रहना चाहिए। आए हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी को हृदय से धन्यवाद दिया ।कार्यक्रम का संचालन विजय शंकर दूबे ने किया तथा इस अवसर पर,पंकज मणि तिवारी,वंदना जायसवाल,पंकज सिंह, अजीत शर्मा, सुनीता सोनी,नीता तिवारी,नीलम सोनी, अस्मिता शुक्ला दिव्या तिवारी, सोनाक्षी तिवारी,निशा बानो आदि लोग मौजूद रहे ।

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

पुष्पांजलि से बिखरी शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल की शहादत की खुशबू

-राष्ट्ररक्षा में बलिदान का स्थान सर्वोच्चः गोस्वामी

-एसपी बोले, लेफ्टिनेंट रुकर्नल गौर पर हरदोई को गर्व

-१० बिहार रेजीमेंट की टोली ने अपने सैन्य अधिकारी को किया : नमन

- पूर्व सैनिक वेलफेयर फाउण्डेशन तथा आप और चेतना मंच ने दी श्रद्धांजलि

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। अशोक चक्र से सम्मानित शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल शहीद हर्षउदय सिंह गौर के शहादत दिवस पर बीते कल मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक केशवचन्द्र गोस्वामी ने 10 बिहार रेजीमेंट की सैन्य टोली और जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल ओपी मिश्रा के साथ शहीद कर्नल हर्ष उदय सिंह पार्क स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की ।पूर्व सैनिक वेलफेयर फाउण्डेशन एवं आप और हम चेतना मंच की ओर से संस्था पदाधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक हरदोई केशवचन्द्र गोस्वामी ने शहीद ले. कर्नल हर्ष उदय सिंह गौर की प्रतिमा पर पुष्प चक्र अर्पित करते हुए उनकी शौर्य– पराक्रम एवं शहादत को सराहा। पुलिस अधीक्षक केशवचन्द्र गोस्वामी ने कहा कि एक सैनिक के लिए राष्ट्र प्रथम होता है और राष्ट्र रक्षा में दिया गया बलिदान सर्वोच्च सम्मान है। पुलिस अधीक्षक केशवचन्द्र गोस्वामी ने कहा कि शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल हर्षउदय सिंह गौर का बलिदान देश की रक्षा और हरदोई जनपद के लिए गौरव की बात है। कहा शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल गौर का त्याग एवं बलिदान नयी पीढ़ी के लिए प्रेरणा है।

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल ओपी मिश्रा ने भी शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल गौर की प्रतिमा पर पुष्प चक्र अर्पित कर उनके शौर्य एवं बलिदान पर प्रकाश डाला। पूर्व सैनिक वेलफेयर फाउण्डेशन के जिलाध यक्ष अशोक अग्निहोत्री ने सैनिकों के साथ तथा आप और हम चेतना मंच के संयोजक कमलेश पाठक व अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने मंच पदाधिकारियों के साथ शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल गौर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। अखिलेश पाठक, सभासद प्रतिनिधि राजीव सिंह, भाजपा नेता पारुल दीक्षित, प्रद्युम्न सिंह, पूर्व सैनिक मलिक अजीमुलहसन सहित पूर्व सैनिकों और नागरिकों ने शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल हर्षउदय सिंह गौर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर देशहित में हुए उनके बलिदान को नमन किया।

किशन रसिया एण्ड पार्टी द्वारा गीत संगीत के माध्यम से मतदाताओं को किया गया जागरूक

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'
'हरदोई' एसडीएम के निर्देशन में सदर तहसील में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 09 दिसंबर 2023 तक चलने वाले विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत गुरुवार को उपजिलाधिकारी सदर स्वाति शुक्ला के निर्देशन में तहसील प्रांगण में किशन रसिया एण्ड पार्टी द्वारा गीत संगीत के माध्यम से लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने व हटवाने के संबंध में जागरूक किया गया। लोगों को फॉर्म 6, 7 व 8 के बारे में बताया गया। उपजिलाधिकारी स्वाती शुक्ला ने बताया कि जो लोग 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, वे फॉर्म 6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जुड़वायें। किसी भी प्रकार के संशोधन या वर्तमान मतदाताओं के पता परिवर्तन की स्थिति में फॉर्म 8 भरा जाएगा। नाम हटाने के लिए फॉर्म 8 भरा जाएगा। आवेदन ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही तरीके से दिए जा सकते हैं। इस कार्य को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए बीएलओ की तैनाती की गयी है। इस अवसर पर तहसीलदार सदर विनीत कुमार सिंह, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, सदर तहसील के अन्य संबंधित अधिकारी व बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

नाबालिक दलित किशोरी के साथ छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार ।मवई ,अयोध्या ।पटरंगा पुलिस ने नाबालिक दलित किशोरी के साथ छेड़छाड़ करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है ।पुलिस ने ये कामयाबी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नैय्यर द्वारा अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत हासिल की है। दो दिन पूर्व थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली नाबालिक दलित किशोरी पास के बाग में नित्य क्रिया के लिए गई थी ।जहां पहले से मौजूद गांव का ही युवक अब्दुल रहमान पुत्र मैनुद्दीन ने किशोरी को पकड़कर जोर जबरदस्ती करने लगा ।किशोरी द्वारा चिल्लाने पर आरोपी युवक ने मारा पीटा और किसी और बताने पर जान से मार देने की धमकी देते हुए।

योगाभ्यास के माध्यम से होता है बच्चों का सर्वांगीण विकास - शशांक सिंह खण्ड शिक्षाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर कस्तुरबा गांवों बालिका विद्यालय खुटहन जौनपुर में तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी शशांक सिंह के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए योगाभ्यास बहुत आवश्यक है। योग के माध्यम से रोगो का निदान भी होता है। बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसलिए बच्चों को प्रतिदिन योगाभ्यास करना चाहिए । योग गुरु डॉ ध्रुवराज योगाचार्य के द्वारा बच्चों के करने वाले विशेष आसान ताडासन , वृक्ष आसान, ध्रुव आसान, गरुड़ आसान, त्रिकोण आसान, पादहस्तासन, शीर्षासन, सर्वाग आसान, मयुर आसान, पश्चिमोतान आसान और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। योग गुरु डॉ ध्रुवराज ने कहा कि बच्चों के याददास्त शक्ति को योग व प्राणायाम के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है। कस्तुरबागांधी बालिका विद्यालय की वार्डन अन्जु खरवार ने कहा कि बच्चों की लम्बाई भी योग के माध यम से बढ़ाया जा सकता है। इस अवसर पर नेहा यादव, कलावती यादव, पूनम श्रीवास्तव, दीपिका गुप्ता, रू कमीना यादव, प्रिया सिंह, तुलसी राम व आशीष वर्मा उपस्थित रहे।

अयोध्या में हो सकता है तीरंदाजी का विश्व कप और एशिया कप

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार ।अयोध्या। राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता के समापन समारोह में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उत्तर प्रदेश तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष व मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी नें कहा कि राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाजी प्रतियोगिता का बड़ा आयोजन करके हमें यह अनुभव हो रहा है।

श्रीमती श्यामादेवी राम बिलास अग्रहरि सेवा समिति द्वारा भरत यात्रा आगमन पर किया गया स्वागत सत्कार

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)। एक अद्भुत मनोरम दृश्य रहा जब बुधवार को प्रातः काल स्थानीय भरतकुण्ड स्थित श्री भरत हनुमान मिलन मन्दिर में अयोध्या से पहुंची साधु संतो एवं गृहस्थों से सजी श्री भरत यात्रा का अनुपम दृश्य देखने को मिला। "जात मनावन रघुबरहिं, भरत सरिस को आज" के भाव को लेकर मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के अनुज भरत महाराज एवं शत्रुघ्न महाराज प्रभु श्रीराम को मनाने चित्रकूट की ओर प्रस्थान किये। बुधवार को यह यात्रा अयोध्या स्थित मणिराम दास छावनी अयोध्या से परम पूज्य संत महन्त नृत्य गोपाल दास जी महाराज द्वारा हरी–झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। यात्रा का नेतृत्व कमल नयन दास जी महाराज व संयोजन विमल कृष्ण दास महाराज कर रहे थे। श्री भरत यात्रा के भरतकुण्ड पहुंचने पर स्थानीय महन्त परमात्मादास की अगुवाई में " श्यामादेवी राम बिलास अग्रहरि सेवा समिति, जनपद–अयोध्या" के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों द्वारा स्वागत सत्कार सेवा किया गया। कार्यक्रम में सेवा समिति के अध्यक्ष फूलचन्द्र अग्रहरि के नेतृत्व में गणमान्य लोगों की उपस्थिति में श्री भरत यात्रा का स्वागत माल्यार्पण, पुष्प वर्षा एवं पूजन अर्चन कर किया गया। सेवा समिति से जुड़े अवधेश अग्रहरि के अनुसार श्री भरत यात्रा के पहुंचने पर सेवा समिति द्वारा भरत एवं शत्रुघ्न के रूप में सजे स्वरूप का पूजन अर्चन करने एवं परमपूज्य महाराज कमल नयन दास जी महाराज के पूजन–अर्चन से इस यात्रा के स्वागत कार्यक्रम का प्रारम्भ हुआ। माल्यार्पण, पुष्प वर्षा एवं पूजन अर्चन के पश्चात यात्रा में सम्मिलित गणमान्य गृहस्थों व सैकड़ो संत महन्तो का स्वागत के पश्चात स्वल्पाहार स्वरूप जलपान के बाद स्थानीय नागरिको द्वारा प्रभु भरत एवं शत्रुघ्न की स्वागत आरती के बाद सुन्दर व मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम श्रद्धालुओं के समक्ष प्रस्तुत किया। विश्राम के पश्चात अपरान्ह 12:00 बजे श्री भरत यात्रा अगले पड़ाव के लिए प्रस्थान कर गई। श्री भरत यात्रा का स्वागत भरतकुण्ड पर माधव श्याम गुप्ता, मिथिलेश कुमार अग्रहरि एडवोकेट, दीपक जायसवाल एडवोकेट, राजेन्द्र प्रसाद तिवारी एडवोकेट, दुर्गा प्रसाद तिवारी आफत, विष्णु गुप्ता,ई.हरिओम गुप्ता, अरविन्द अग्रहरि, राकेश श्रीवास्तव, अरूण कुमार गुप्ता आदित्य, गौरव अग्रहरि, सियाराम, आनन्द गुप्ता, मनोज गुप्ता सहित सैकड़े समाज सेवियों तथा सेवा समिति से जुड़े श्रद्धालु जन ने किया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान पूरा वातावरण बीच–बीच में "जय श्रीराम" भरत जी की जय, शत्रुघ्न लाल की जय, बजरंग बली की जय आदि नारों से गुजायमान होता रहा।

वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में कायस्थ समाज कहीं ना कहीं काटा जा रहा है : डॉ इन्द्रसेन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उप्र द्वारा जनप्रतिनिधि समाज संवाद कार्यक्रम शहर के सद्भावना मार्ग स्थित होटल गोमती में प्रदेश अध्यक्ष डॉ इन्द्रसेन श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

बैठक में अतिथि रूप में प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना, विधायक आकाश सक्सेना, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, विधानपरिषद सदस्य डॉ केपी श्रीवास्तव, विधानपरिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा उपस्थित रहे।महासभा ने अपने विधायकविधान परिषद सदस्यों को 'कायस्थ श्री' सम्मान से विभूषित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉ इन्द्रसेन श्रीवास्तव ने कहा कि आज कायस्थ समाज राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से मुख्यधारा से कटता नजर आ रहा है।आज वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में कायस्थ समाज कहीं ना कहीं काटा जा रहा है। आज इस व्यवस्था में हम अपने समाज को पुराने गौरव को लेकर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के माध्यम से संघर्षरत हैं। आज अपने समाज के सभी जनप्रतिनिधियों को एकजुट कर समाज की एकता और अखंडता को बनाते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित किया जाए। जनप्रतिनिधि समाज संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रामपुर के विधायक आकाश सक्सेना ने कहा कि आज अन्य समाज के लोग अपनी एकता को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है लेकिन दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि मेरा समाज जो एक समय समाज को दिशा देने का काम करता था वो आज हासिये पर आ गया है।हमे अपने इतिहास को याद करते हुए आज फिर एक शक्तिशाली समाज को खड़ा करने की आवश्यकता है। वाराणसी के विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि हमें समाज की मुख्य भूमिका में आने के लिए आर्थिक रूप से समृद्ध होने की आवश्यकता है। युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा लेकर रोजगार की तरफ उन्मुख होना चाहिए और राजनीति के माध्यम से राजनीतिक हिस्सेदारी लेनी चाहिए तभी कायस्थ समाज समाज की मुख्य धारा में आयेगा। प्रयागराज के विधानपरिषद सदस्य पूर्व महापौर डॉ के पी श्रीवास्तव ने कहा कि हमें अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के साथ मिलकर कायस्थ परिवार की भलाई के कार्य करने की आवश्यकता है। वाराणसी के विधानपरिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज कायस्थ समाज की ताकत का परिणाम है कि हम विधानपरिषद में आमजन की आवाज उठाने में सक्षम हुए हैं। कायस्थ समाज एक शक्तिशाली समाज है हनुमान जी की तरह अपनी शक्ति को भूल गया है कायस्थ समाज को शक्ति याद दिलाने की आवश्यकता है और शक्ति याद दिलाने का कार्य अखिल भारतीय कायस्थ महासभा कर रही है। आने वाले समय में समाज का परिवर्तन दिखे यही कामना है।कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री श्याम चन्द्र श्रीवास्तव ने किया।कार्यक्रम में वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमेश चंद्र श्रीवास्तव प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ राकेश शंकर श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ ऋतू खरे,प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष मध्यसंभाग सन्तोष निगम प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष पश्चिमी संभाग वेदप्रकाश सक्सेना प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील कुमार श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव नकुल श्रीवास्तव, प्रदेश कोषाध्यक्ष आमोद श्रीवास्तव, युवा प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव प्रत्यूष श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधि समाज संवाद कार्यक्रम में आये हुए अतिथियों को प्रदेश अध्यक्ष डॉ इन्द्रसेन श्रीवास्तव व प्रदेश पदाधिकारियों ने अंगवस्त्र शाल, स्मृति चिन्ह सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया।

किसानों और मजदूरों के हित में राइसमिल हेतु हुआ भूमि पूजन

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या जिले के जाने माने लोहा कारोबारी एवम सिंह ट्रेडर्स, बाला जी ट्रेडिंग कंपनी एवम कृष्णवी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर अजीत सिंह जी के द्वारा आलियाबाद संपर्क मार्ग ग्राम सभा जाखौली में किसानों एवम मजदूरों के हितों के लिए राइसमिल हेतु करीब 6 एकड़ जमीन का भूमि पूजन किया।अजीत सिंह जी से बात करने पर बताया कि इस क्षेत्र के जिन मजदूरों को रोजगार के लिए भटकना पड़ता था उनको दूर नही जाना पड़ेगा और जिन किसान भाइयों को अनाज का क्रय– विक्रय करने के लिए परेशानी उठानी पड़ती थी उन्हें भी काफी सहूलियत दी जाएगी।इस क्षेत्र के करीब 500 लोगो को रोजगार देने का काम किया जाएगा । इस मौके पर पिता जी जितेंद्र प्रताप सिंह (करिया), महेंद्र प्रताप सिंह , नान सिंह , जिला पंचायत सदस्य चंद्रभान सिंह ,प्रधान खमौली अमीर उल्ला,सौरभ वर्मा कंपनी के एच आर अवधेश वर्मा , अरुण चतुर्वेदी,दिवाकर मिश्र ,अनमोल यादव , दिवाकर पांडे आदि लोग मौजूद रहे।

इंस्पेक्टर बालकृष्ण ने संभाली पचदेवरा कोतवाली की बागडोर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इंस्पेक्टर बालकृष्ण ने हरदोई जनपद की पचदेवरा कोतवाली की बागडोर संभाली है। इंस्पेक्टर बालकृष्ण ने कहा कि अब भूमाफियाओं,दबंग और अपराधियों की खैर नहीं है। गौरतलब है कि सकरौली गांव में दबंगई सिर चढ़कर बोल रही है। गांव के लोग बुजुर्गों के खेत कब्जा कर रहे हैं। मेड तोड़ रहे हैं, पुश्तैनी घरों को कब्जा कर रहे हैं। सकरौली गांव में वयोवृद्ध सुरक्षित नहीं है और उनकी संपत्ति भी सुरक्षित नहीं है।

तालाब में उतरता हुआ मिला अधेड़ युवक का शव।

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) कोतवाली रुदौली क्षेत्र के बिगिनियापुर गांव के समीप तालाब में अधेड़ युवक का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बताया गया कि शव पूरी तरीके से सड़ चुकी थी। मृतक की पहचान राम समुझ पुत्र जोखू उम्र 45 वर्ष निवासी बाकरपुर लोहटी सरैया के नाम से हुई है।मिली जानकारी के अनुसार मृतक राम समुझ उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम बाकडपुर मजरे लोहटी सरैया थाना बाबा बाजार अपने बुआ मुल्हा देवी पत्नी बंशी लाल निवासी ग्राम बिगिनियापुर कोतवाली रुदौली 24 नवंबर को मुंडन संस्कार में गया था।जिसके बाद घर नहीं पहुंचा।परिजनों ने काफी खोजबीन की कहीं कोई पता नहीं चल सका। मृतक की पत्नी ने कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।पांच दिन बीत जाने के बाद बुधवार की सुबह तालाब में मृतक राम समुझ की लाश मिली। खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे रुदौली कोतवाल देवेंद्र सिंह ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा करवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रुदौली कोतवाल ने बताया कि परिजन की तरफ से कोई तहरीर नहीं मिली, तहरीर मिलते ही अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

पीड़ित को न्याय दिलाना नवागत महिला एसओ की प्रमुख प्राथमिकता

अयोध्या। एसएसपी राज करण नैय्यर ने प्रभारी निरीक्षक दर्शन नगर में स्थित संयुक्त हॉस्पिटल के वन स्टॉप सेंटर चौकी में तैनात उपनिरीक्षक मंजू देवी को महिला थाना अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी।नवागत महिला थाना अध्यक्ष मंजू देवी ने बताया कि उनकी प्रमुख प्राथमिकता थाना परिसर में आने वाले सभी फरियादियों की समस्याओं को सुनकर शीघ्र से शीघ्र का निराकरण करना है। शासन के मंशानुरूप कार्य करना उनकी प्रमुख प्राथमिकता है इस समय महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही अति महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल मिशन शक्ति अभियान के तहत सभी जगहों पर महिला पुलिस कर्मियों

की मदद से अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस समय इस योजना के तहत महिला पुलिस कर्मियों द्वारा पंपलेट काउंसलिंग के साथ–साथ अन्य प्रयोगों के माध्यम से महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षात्मक उपाय भी बताए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं व बालिकाओं को महत्वपूर्ण नंबर भी बताए जा रहे हैं।इसके अलावा

उन्होंने महिलाओं व बालिकाओं के साथ साथ फरियादियों से अपील किया कि जब उन्हें किसी भी तरह की परेशानी होती है तो वह बेहिचक थाना परिसर में आकर उनसे मिलकर कह सकते हैं या फिर उनके सीयूजी मोबाइल नंबर पर भी बता सकते हैं। जिससे कि समय रहते उनकी समस्याओं को हल किया जा सके।

पुण्य देने वाला होता है जनहित में किया गया कार्य - महापौर

यूको बैंक के सौजन्य से मां देवकाली को समर्पित किया गया वॉटर कूलर

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) यूको बैंक जनकल्याण के लिए लगातार कार्य करता रहता है। आम श्रद्धालुओं की सेवा से लेकर सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए वाटर कूलर व अन्य संयंत्रों की स्थापना करके जनहित का कार्य किया जाता रहता है। इसी कड़ी बुधवार को यूको बैंक के सौजन्य से मां देवकाली को वॉटर कूलर समर्पित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने किया।

बताते चलें कि पिछले दिनों चौदह कोसी व पंचकोसी परिक्रमा में यूको बैंक द्वारा परिक्रमा करने आने वाले भक्तों को मिष्ठान, जलपान व चायपान की व्यवस्था की गई थी। यही नहीं बैंक कर्मचारियों द्वारा रामनगरी में लगातार राम भक्तों की सेवा की जाती है। अयोध्या में आने वाले भक्तों की सेवा करने के लिए यूको बैंक लगातार सकारात्मक प्रयास कर रहा है। जिसके तहत बुधवार को बड़ी मां देवकाली मन्दिर पर वॉटर कूलर का उद्घाटन अयोध्या के महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस अवसर पर महापौर श्री त्रिपाठी ने कहा कि जनहित को ध्यान में रख कर किया गया कार्य हमेशा पुण्य प्रदान करता है। किसी भी संस्था को प्रगति पथ पर अग्रसर रहने के लिए जनहित को ध्यान में रखना आवश्यक है। इससे संस्था अथवा संस्थान के प्रचार–प्रसार के साथ ही जनकल्याण का कार्य भी होता रहता है। जो संस्था के उच्च वैचारिक स्वरूप का परिचायक है इस मौके पर महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी के साथ बड़ी देवकाली के महंत गिरीश पाठक, अंचल प्रमुख लखनऊ सौरभ सिंह, अंचल प्रमुख अयोध्या सुश्री मिलन दुबे, उप अंचल प्रमुख नीरज कुमार, अयोध्या शाखा प्रबंधक अशोक दुबे, सीनियर मैनेजर मनोज सिंह, अशोक सिंह सहित बैंक के सभी कर्मचारी उपस्थिति रहे।

सोहावल में जाम की समस्या से जूझ रहे राहगीर

सोहावल चौराहा, रेलवे फाटक और नहर पुल पर लगता है भीषण जाम

अयोध्या।ढेमवा पुल के रास्ते गोंडा जनपद से आने वाले वाहनों के साथ आ रही ओवरलोड गन्ना की ट्राली ट्रैक्टर ने सोहावल में जाम की समस्या को बिकराल बना दिया है।सोहावल चौराहा से शुरू हुआ सड़क जाम रेलवे क्रासिंग होते हुए ढेमवा पुल तक लोगों का पीछा नही छोड़ता। तीनों जगह सड़क जाम से निकलने में वाहनों को एक घंटे से ज्यादा का समय गवांना पड़ता है। गन्ना की लदी ट्राली, आमने सामने खड़े दो बड़े ट्रक, बस, ट्रेलर, जेसीबी आदि के चलते दोपहिया वाहन तक सड़क के जाम से नहीं निकल पाते। हालात यह है कि अब एंबुलेंस और वी आई पी वाहन तक जाम में फंसकर कराहते रहते हैं। मरीजों और दुर्घटना के शिकार घायल की जान संकट में पड़ी रहती है। इसे लेकर जनाक्रोश प्रशासन व जन प्रतिनिधियों के खिलाफ बढ़ रहा है। अधिवक्ता दीपक सिंह, भाकियू नेता फरीद अहमद सहित कुछ समाज सेवी संगठनों ने समस्या को लेकर शनिवार को समाधान दिवस पर जिम्मेदार अधिकारियों को समस्या से अवगत कराने की बात की है। बुधवार को इसे लेकर पूछे जाने पर उप–जिलाधिकारी मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि समस्या गंभीर है। जल्द ही संबंधित विभागों की बैठक बुलाकर बात करके कुछ समाधान निकाला जायेगा।

तारुन की दो समितियो पर पहुँची एन पी के व डी ए पी खाद की खेप

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार।तारुन। साधन सहकारी समितियों पर उत्तपन्न हुये डी ए पी खाद की किल्लत से जूझ रहे किसानों को राहत मिल गई है। ब्लॉक क्षेत्र की दो साधन सहकारी समितियों पर खाद की खेप पहुँच गई है।

रबी के मौसम में साधन सहकारी समितियों पर डी ए पी खाद की कमी से किसानों की फसलों की बुआई का कार्य प्रभावित हो रहा था। जिसको लेकर हिंदुस्तान ने मंगलवार को सहकारी समितियों पर डी ए पी खाद नदारदशीर्षक से खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खाद की अनुपलब्धता के बावत सचिवो ने बताया था कि चेक सम्बंधित एजेंसी पी सी एफ को प्रेषित कर दिया गया है। इसके बावजूद उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित नही की जा रही है। खबर के प्रकाशित होने के बाद सम्बंधित एजेंसी की नींद खुली ।और तारुन ब्लॉक की साधन सहकारी समिति नेत वारी चतुरपुर तथा तारुन पर खाद को उपलब्ध करा दिया। तारुन के सचिव प्रमोद शुक्ला ने बताया कि 4 सौ बोरी डी ए पी खाद पहुँच गई है।जिसका वितरण किसानों में किया जा रहा है। जबकि नेत वारी चतुरपुर के सचिव दिनेश यादव ने बताया कि बुधवार की सुबह उनके गोदाम पर 360 बोरी एन पी के खाद एजेंसी द्वारा पहुचाई गई। जिसे आवश्यकता अनुसार किसान ले जा रहे हैं। खाद के उपलब्ध हो जाने से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं।

सांसद खेल प्रतियोगिता का हुआ शुभारम्भ

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।सांसद खेल प्रतियोगिता की पूरा ब्लॉक के पुरसाएं रामलीला मैदान रसूलाबाद में बुधवार को शुरुआत हुई। लोकसभा के सभी ब्लाकों में प्रतियोगिता का आयोजन होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद लल्लू सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। जिसमें 100 मीटर व 200 मीटर दौड़ तथा कबड्डी का आयोजन हुआ। गुरुवार को प्रतियोगिता का समापन होगा। अंतिम दिन खो खोखो वॉलीबॉल रस्साकस्सी जैसी प्रतियोगिताएं होंगी। उद्घाटन अवसर पर बड़ी संख्या में दर्शकों की मौजूदगी रही। खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन का प्रयास लगातार दर्शक कर रहे थे। सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि खेल में प्रतिभाग करने से सामूहिकता का भाव आता है। यही भविष्य में मदद करता है। टीम भावना व्यक्ति को काफी आगे ले जाती है। आयोजित समिति के ब्लाक अध्यक्ष दिव्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि 100 मीटर बालक वर्ग दौड़ में निर्भय सिंह सराय राशि प्रथम, अविनाश वर्मा महेशपुर द्वितीय, अभय सिंह कमर्प तृतीय रहे। 100 मी बालिका वर्ग दौड़ में जूली कछौली प्रथम, खुशी गौड़ जानापुर द्वितीय व शालिनी खजुआंवा तृतीय रही ।कबड्डी में सरायराशि व कछौली के बीच में प्रतियोगिता में सरायराशि विजयी, रामपुर हलवारा व आरपी के बीच हुई प्रतियोगिता में रामपुर हलवारा विजयी, जानापुर पूराबाजार के बीच हुई प्रतियोगिता में पूरा बाजार विजयी, मड़ना ए और मड़ना बी के बीच हुई प्रतियोगिता में मड़ना ए विजयी, ग्रामोदय ए व बी के बीच हुई प्रतियोगिता में ग्रामोदय ए विजयी, रसूलाबाद व गंगौली के बीच हुई प्रतियोगिता में गंगौली के ना आने से रसूलाबाद को विजयी घोषित कर दिया गया। पुरसाएं ए और बी में पुरसाएं ए जीती । राजेपुर व नरियावां के बीच हुई प्रतियोगिता में राजेपुर विजई रहा। कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर सांसद लल्लू सिंह का 51 किलों की माला पहनाकर स्वागत किया गया। मौके पर सतीश सिंह पिंटू, अरुण तिवारी, हरिशंकर तिवारी, नीरज राणा, रामसुख वर्मा, प्रधान सुमित तिवारी व ध्रुव पाण्डेय, रामजीत निषाद, रामप्रीत वर्मा, एसके तिवारी फौजी, कुलदीप पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

मोबाइल चोरी का आरोप लगाकर किशोरी की पिटाई करना पड़ा महंगा

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) मोबाइल चोरी का आरोप लगाकर कानून हाथ मे लेना और किशोरी की पिटाई करने पर पुलिस ने चचेरे भाई समेत दो युवकों पर मवई पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।मामला मवई थाना क्षेत्र के कामापुर गांव का है।हालांकि मवई पुलिस की इस कार्रवाई से चर्चाओं का बाजार गर्म है।मवई थाना क्षेत्र के कामापुर गांव की रामकली पत्नी ज्ञानचन्द्र यादव ने आरोप लगाया है कि उनके ही गांव के सचिन पुत्र शिवराम व सुभाष पुत्र राम मनोहर यादव ने पुत्री कोमल यादव पर मोबाइल फोन चोरी करने का आरोप लगा रहे थे।आरोप है कि जब कोमल ने मोबाइल चोरी न करने की बात कही तो दोनों ने भद्दी भद्दी गालियां देते हुए मारा पीटा जिससे उसकी आंख और हाथ–पैर में चोट आई हैं।मामले की तहरीर मवई थाना में देने के बाद पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज किया है।मवई थाना प्रभारी आशा शुक्ल ने बताया कि प्रकरण में सचिन व सुभाष के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विवेचना कराई जा रही है।

राज्यपाल के हाथों 123 स्वर्णपदक पाकर छात्रों के चेहरे खिले

दीक्षांत समारोह में 79 स्वर्णपदक के साथ छात्राओं ने मारी बाजी

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 28 वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति एवं प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल व कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के हाथों स्वर्णपदक पाकर छात्र–छात्राओं के चेहरे खिल उठे। दीक्षांत समारोह में कुल 123 स्वर्णपदक प्रदान किए गए। जिसमें 30 कुलपति स्वर्णपदक, 76 कुलाधिपति स्वर्णपदक एवं दानस्वरूप के रूप में 17 स्वर्णपदक छात्र–छात्राओं को दिए गए। इसमें 79 स्वर्णपदक के साथ छात्राओं का प्रतिशत 64 रहा। वही 44 स्वर्णपदक छात्रों को मिला इनका प्रतिशत 36 रहा है। दीक्षांत समारोह में सर्वाधिक अंक पाने वालों में उमा यादव बी०ए, ज्योति श्रीवास्तव बी०एस–सी०, अनामिका यादव बीकॉम, शिवम बीएससी, पल्लव घोषाल बी०टेक० (ब्रान्च–आई०टी०) आवासीय परिसर, श्रेया पटेल, बी०टेक० (ब्रान्च–एम०ई०) आवासीय परिसर, अंशिका सिंह बी०टेक० (ब्रान्च–सी०एस०) आवासीय परिसर, उन्नति सिंह, बी०टेक० (ब्रान्च–ई०सी०) आवासीय परिसर, विनय कुमार यादव बी०टेक० (ब्रान्च–सिविल इंजीनियरिंग) आवासीय परिसर, रूबी यादव बी०टेक० (ब्रान्च–इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग) आवासीय परिसर, प्रियांशु पाण्डेय बी०वोक० टूरिज्म एण्ड हॉस्पिटलिटी (आवासीय परिसर), अंजली सिंह को बी०एड० की परीक्षा में सर्वाधिक अंक के लिए स्वर्णपदक प्रदान किए गए। वहीं 30 कुलपति स्वर्णपदक सर्वाधिक अंक के लिए छात्र–छात्राओं को प्रदान किया गया। राजेन्द्र विक्रम सिंह को बी०लिब०, वर्तिका यादव को बी०पी०ई०एस०, प्रगति सिंह बी०एस–सी० (आवासीय परिसर), अंजली यादव बैचलर आफ विजुअल आर्ट (आवासीय परिसर), अपाला को बी०बी०ए०, ज्योति बी०सी०ए०, शाहजरीन आलम, एम०बी०बी०एस०, सौम्या सेठ बी०डी०एस०, कुमकुम को बी०एस–सी० नर्सिंग की परीक्षा में सर्वाधिक अंक स्वर्णपदक प्रदान किया गया है। वहीं वर्षा निगम को बी०पी०टी०, अनुजा वर्मा को वर्ष 2022 नर्सिंग, शिवेन्द्र द्विवेदी बी०एम०एल०टी०, आदर्श रतन सिंह बी०एस–सी० आप्टीमेट्री, उमना फातिमा को बी०एस–सी० बी०आर०डी०आई०टी०, शिवम पाण्डेय बी०वोक० एम०सी० जे० (आवासीय परिसर), सपना वर्मा को बी०वोक० फैशन डिजाइन एण्ड गारमेंट टेक्नालोजी (आवासीय परिसर), प्रियांशी श्रीवास्तव बी०लिब० आई०एस०सी० (आवासीय परिसर) व अंशुमान सिंह को बी०एस०डब्ल्यू० (आवासीय परिसर) की परीक्षा में सर्वाधिक अंक के लिए कुलपति स्वर्णपदक प्रदान किए गए। वही दूसरी ओर 76 कुलाधिपति स्वर्णपदक छात्र–छात्राओं को मिला जिनमें अनामिका द्विवेदी को एम०ए० हिन्दी, जीनत खातून एम०ए० अंग्रेजी, आरती एम०ए० संस्कृत, नंजीफा खातून एम०ए० उर्दू, अंशु सिंह एम०ए० समाज शास्त्र, प्रखर एम०ए० राजनीति शास्त्र, शालिनी सिंह एम०ए० प्राचीन इतिहास, अमित कुमार श्रीवास्तव एम०ए० शिक्षाशास्त्र, अंजली एम०ए० मध्यकालीन तथा आधुनिक इतिहास, सानिया सनोबर एम०ए० अर्थशास्त्र, विनय कुमार को एम०ए० दर्शन शास्त्र में सर्वाधिक अंक के लिए स्वर्णपदक प्रदान किया गया। वहीं कुलाधिपति स्वर्णपदक के लिए अंकित कुमार एम०ए० भूगोल, अल्का एम०ए० रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन, हर्षिता द्विवेदी एम०ए० मनोविज्ञान, साक्षी वर्मा एम०ए० गृह विज्ञान, विजय एम०ए० संगीत (गायन), पूजा एम०ए० चित्रकला, हर्षिता वर्मा, एम०एस–सी० भौतिक विज्ञान, आस्था मौर्या एम०एस–सी० रसायन विज्ञान, अनामिका यादव को बी०कॉम० की परीक्षा में सर्वाधिक अंक के लिए सिंहानिया स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।